बर्षः- 06
अंकः- 114
मुरादाबाद
(Thursday)
13 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

# क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति हैं युवा, पीएम मोदी का देश के जेनजी को नया संदेश

### मैं आज भी मां की कमी महसूस करता हूं, पूर्व राष्ट्रपति कोविंद की आत्मकथा के विमोचन पर भावुक हुए पीएम

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति बताया। उन्होंने युवाओं की संवेदनशीलता, सेवाभाव और सामर्थ्य की सराहना की। पीएम मोदी ने संस्कृत श्लोक साझा कर बताया कि विचार, वाणी और कर्मों से लोगों का दिल जीतने वाला व्यक्ति विश्वास, सम्मान और सद्भाव का पात्र बनता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बुधवार को सुभाषित शेयर किया है। पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर भारतीय के युवाओं को देश की सबसे बड़ी शक्ति भी बताया। पीएम मोदी ने क्या कहा? - प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए %एक्स% पोस्ट पर लिखा, %हमारे युवा साथी देश का भविष्य ही नहीं, वर्तमान की सबसे बड़ी शक्ति भी हैं। उन्होंने अपनी संवेदनशीलता, सेवाभाव और सामर्थ्य से दुनियाभर में अलग पहचान बनाई है।इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने संस्कृत का श्लोक भी एक्स पर पोस्ट किया, चक्षुषा मनसा वाचा कर्मणा च चतुर्विधम्। प्रसादयति यो लोकं तं लोकोऽनुप्रसीदति।। इस श्लोक का हिंदी अर्थ है- जो व्यक्ति अपनी दृष्टि, विचारों, वाणी और कर्मों के माध्यम से लोगों का हृदय जीत लेता है, वह ही उनके विश्वास, सम्मान और सद्भाव का पात्र बनता है।इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री की ओर से सोशल मीडिया एक्स पर लिखा गया था, अष्टौ गुणाः पुरुषं दीपयन्ति प्रज्ञा सुशीलत्वदमौ श्रुतं च। पराक्रमश्च बहुभाषिता च दानं यथाशक्ति कृतज्ञता च।। इस श्लोक का अर्थ है, %ये आठ गुण मनुष्य के जीवन को प्रकाशमान करते हैं। बुद्धि उसके मार्ग को स्पष्ट करती है, सदाचार उसके आचरण को पवित्र बनाता है और संयम उसे अनुशासित रखता है। ज्ञान उसे विवेक देता है, वीरता कठिन परिस्थितियों में अडिग रखती है और वाणी की कुशलता उसे समाज में सम्मान दिलाती है। अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान करना और उपकारों के प्रति कृतज्ञ रहना उसके व्यक्तित्व को पूर्णता प्रदान करते हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री की ओर से 7 अगस्त को सुभाषित शेयर किया गया था। तब पीएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा था, किं चन्द्रमाः प्रत्युपकारलिप्सया करोति गोभिः कुमुदावबोधनम्। स्वभाव एवोन्नतचेतसां सतां परोपकारव्यसनं हि जीवितम्।इस श्लोक का हिंदी अर्थ है, चंद्रमा किसी प्रत्युपकार की इच्छा से अपनी किरणों द्वारा कमुदुनी को प्रकाशित नहीं करता, अपितु यह उसका स्वाभाविक गुण है। उसी प्रकार महान और उदार हृदय वाले सज्जन बिना किसी स्वार्थ या अपेक्षा के दूसरों का हित करते रहते हैं, क्योंकि परोपकार उनके स्वभाव में होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन किया। इस दौरान पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की। साथ ही बातों-बातों में वे युवाओं को भी अहम सीख दे गए।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की आत्मकथा का विमोचन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की और उनके जीवन संघर्ष को प्रेरणा बताया। इस दौरान पीएम मोदी ने अपनी मां का भी जिक्र किया और उनका जिक्र कर भावुक भी हुए। पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की जमकर तारीफ की पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की इस आत्मकथा का शीर्षक ट्रायम्फ ऑफ द इंडियन रिपब्लिक- माय लाइफ, माय स्ट्रगल्स है। आत्मकथा में रामनाथ कोविंद के जीवन की कहानी है। इसमें उनके शुरुआती वर्षों से लेकर सार्वजनिक जीवन और भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में सेवा तक के अनुभवों, संघर्षों और उपलब्धियों का ब्योरा है। इस किताब के विमोचन के अवसर पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्व राष्ट्रपति की तारीफ करते हुए कहा, %राष्ट्रपति के रूप में उनका मार्गदर्शन और उनका स्नेह, उनकी आत्मीयता मेरी बहुत बड़ी पूंजी रही। पीएम मोदी ने कहा, %मैंने उनके जीवन को जितना समझा है, उनकी कार्यक्षमताओं को जितना जाना है, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि रामनाथ कोविंद की आत्मकथा भारतीय लोकतंत्र और भारतीय समाज की धरोहर बनेगी। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा, रामनाथ कोविंद ने छोटी सी उम्र में मां को खो दिया। मैं तो भाग्यशाली रहा हूं कि मेरी मां 100 वर्ष से अधिक जीवित रहीं और मुझे आशीर्वाद देती रहीं, इसके बावजूद मैं मां की कमी महसूस करता हूं। ऐसे हालात में कोई भी टूट सकता है, लेकिन रामनाथ कोविंद को उन मुश्किल हालात ने और मजबूत बनाया।पीएम मोदी ने कहा कि हमें भविष्य में रामनाथ कोविंद जैसे अनेकों युवा चाहिए, जो परेशानियों से परास्त न हों, जो मुश्किलों से मायूस न हों बल्कि अपनी मेहनत से हर मंजिल को आसान बनाने का हौसला रखें। इसी बदलाव से सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प पूरा होगा। यहीं से आत्मनिर्भर और विकसित भारत का रास्ता बनेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा, हमारे पूर्वजों ने सदियों तक संघर्ष किया। महात्मा गांधी, बाबा साहेब अंबेडकर, ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले... ऐसी कितनी महान विभूतियों ने भारत के नवनिर्माण का सपना देखा था। एक ऐसा भारत जहां गरीब से गरीब, वंचित से वंचित को शिखर तक पहुंचने का अवसर मिल सके। रामनाथ कोविंद जैसे व्यक्तित्वों ने अपनी मेहनत और काबिलियत के दम पर न सिर्फ अपना जीवन बदला बल्कि सदियों के उस सपने और विजन को साकार करने में अहम भूमिका निभाई। राष्ट्रपति जैसे पद से सेवामुक्त होने के बाद भी उन्होंने विश्राम नहीं लिया है और वो अभी भी एक देश, एक चुनाव जैसे महत्वपूर्ण विषय पर काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ये एक ऐसा विषय है, जिसका समाधान देश के लोकतंत्र का नया अध्याय शुरू कर सकता है।

## आकाश आनंद ने राहुल-अखिलेश को कहा 'अंकल', अखिलेश का पलटवार- हमसे कुछ न कहलवाओ तो अच्छा..

बसपा नेता आकाश आनंद द्वारा राहुल गांधी और अखिलेश यादव को अंकल कहकर संबोधित किया गया है। इस पर अखिलेश ने प्रतिक्रिया दी है। उत्तर प्रदेश के हाथरस में आयोजित एक चुनावी जनसभा के दौरान बहुजन समाज पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर हमला बोला। भाषण के दौरान उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव दोनों को अंकल कहकर संबोधित किया। 30 साल का लड़का 50 साल के व्यक्ति को अंकल ही कहेगा- अखिलेश यादव द्वारा बसपा प्रमुख मायावती को %बुआ% कहे जाने के संदर्भ में जब आकाश आनंद से सवाल उठा, तो उन्होंने स्पष्ट किया कि वे अखिलेश यादव को भैया नहीं मानेंगे। वह उन्हें अंकल ही कहेंगे। राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए आकाश आनंद ने कहा कि राहुल अंकल अक्सर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर और दलित अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है, वहाँ भी वही नीतियाँ लागू हैं जिनका वे विरोध करते हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता के लिए कांग्रेस और भाजपा में कोई खास फर्क नहीं है।अखिलेश ने दी प्रतिक्रिया बसपा नेता आकाश आनंद के सपा अध्यक्ष को अंकल कहे जाने के सवाल अखिलेश यादव ने कहा कि यह बहस का मुद्दा नहीं है। हमसे कुछ न कहलवाओ। हमारे संबंध बहुतों से अच्छे से रहे हैं। मुकाबला उनसे हैं जो दिल्ली और यूपी में बैठे हैं। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लिए धन ही धर्म है। भाजपा अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी पर जवाब नहीं दे रही है। सरकार चर्चा से भाग रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा-परीक्षा और श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए है। हम लोग चाहते है कि दोनों मुद्दों पर चर्चा हो। सरकार दिल्ली में छात्रों पर हुई बर्बरता पर जवाब दे। अखिलेश ने मंगलवार को संसद परिसर में मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाजपा के संगी-साथी अंडरग्राउंड और गैर पंजीकृत लोगों के तार शिक्षा-परीक्षा और राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी से जुड़े है। उन्होंने कहा कि सभी ने देखा कि अयोध्या में राम धन की लूट हुई। पैसे बोरे भरकर बाहर गए। कंडों में पैसे निकले। भाजपा सरकार ने हर वर्ग को धोखा दिया है। आरक्षण की लूट हो गई। नौजवानों को नौकरी व रोजगार नहीं मिल रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### राम मंदिर चढ़ावा मामला: संसद में जवाब देने से बच रही सरकार

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर सरकार पर सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि सरकार इसे राज्य का विषय बताकर संसद में जवाब देने से बच रही है। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को कहा कि सरकार संसद में राम मंदिर के कथित चढ़ावा चोरी से जुड़े सवालों का जवाब देने से इनकार कर रही है। सरकार इसे राज्य का विषय बता रही है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने राम मंदिर से राजनीतिक लाभ लेने में कोई हिचक नहीं दिखाई थी। जनता के प्रति जिम्मेदारी महसूस नहीं करती सरकार- संसद में मानसून सत्र खत्म होने के करीब होने के बावजूद जारी गतिरोध के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने कहा, यह दिखाता है कि सरकार लोगों के प्रति अपनी जिम्मेदारी महसूस नहीं करती। संसद ही वह जगह है, जहां उसे सवालों के जवाब देने होते हैं और बयान देना होता है। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुए थे। देश के युवा सिर्फ दिल्ली में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सड़कों पर उतरे थे। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाई गईं, आंसू गैस छोड़ी गई और पैलेट गन से गोली चलाई गई। गांधी ने कहा कि बिहार में प्रदर्शनकारियों पर एके-47 का इस्तेमाल किया गया। उन्होंने पूछा कि सरकार को यह लगता ही नहीं कि उसे इसका जवाब देना चाहिए। सरकार यह बताने के लिए भी बयान नहीं देना चाहती कि ऐसा कैसे हुआ

## यूपी कांग्रेस अध्यक्ष बोले- राम मंदिर को कमाई का जरिया न बनाएं, सीईओ नहीं धर्माचार्यों की नियुक्ति करें

अयोध्या पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राम मंदिर को कमाई का जरिया बनाया जा रहा है। यहां पर सीईओ की नहीं बल्कि संत और धर्माचार्यों की नियुक्ति की जानी चाहिए। उन्होंने एसआईटी जांच को भी एक खानापूर्ति बताया है।अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राम मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि धार्मिक नगरी में सीईओ की जगह धर्माचार्यों की नियुक्ति होनी चाहिए। आरोप लगाया कि राम मंदिर को कमाई का जरिया बनाया जा रहा है। मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले में अब तक हुई कार्रवाई को उन्होंने खानापूर्ति बताया और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की। अजय राय ने कहा कि जिन लोगों पर पैसे गिनवाने और मामले में संलिप्तता के आरोप हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में कानून-व्यवस्था, चढ़ावे की चोरी, बेरोजगारी, महंगाई और युवाओं के भविष्य का मुद्दा प्रमुख रहेगा। अजय राय ने दावा किया कि लोग कांग्रेस और राहुल गांधी के साथ जुड़ रहे हैं। साथ ही भाजपा और आरएसएस पर अयोध्या की पवित्रता प्रभावित करने का आरोप लगाया। गोरखपुर में तलवार से ब्राह्मण की हत्या का जिक्र करते हुए कानून व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा किया।

## देश को चुकानी पड़ रही कीमतः US में अदाणी के खिलाफ केस बंद होने पर राहुल गांधी का PM पर हमला

अदाणी मामले में अमेरिकी अदालत के फैसले के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी को भारत के हित बेचने के लिए मजबूर किया गया और देश को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है। जानें क्या है पूरा मामला और अमेरिकी अदालत ने कौन से आरोप खारिज किए।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। यह हमला अमेरिकी संघीय अदालत की ओर से अदाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से खारिज किए जाने के बाद किया गया। राहुल गांधी ने क्या आरोप लगाए?- राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक %समझौता कर चुके प्रधानमंत्री% को भारत के हित बेचने के लिए मजबूर किया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने यह भी दावा किया कि भारत को इसकी बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ रही है।राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर अमेरिकी अदालत के उस फैसले से जुड़ी एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया। रिपोर्ट में बताया गया था कि अमेरिकी न्याय विभाग के गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ आरोप खारिज करने के अनुरोध को अदालत ने मंजूरी दे दी है। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा, इसमें जितना दिख रहा है, उससे कहीं ज्यादा है। पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, %एक समझौता कर चुके प्रधानमंत्री को भारत के हित बेचने के लिए मजबूर किया गया। भारत इसकी बहुत बड़ी कीमत चुका रहा है।% अमेरिकी संघीय अदालत के जज ने हाल ही में गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ आपराधिक आरोपों को स्थायी रूप से रद्द कर दिया है। इससे बंदरगाह से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक काम करने वाले अदाणी समूह पर करीब दो साल से बना कानूनी दबाव खत्म हो गया। न्यूयॉर्क के पूर्वी जिले के जज निकोलस गाराउफिस ने अमेरिकी न्याय विभाग के आरोप रद्द करने के अनुरोध को मंजूरी दी। अदाणी ने अमेरिकी अदालत के इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वह इसे %विनम्रता% और न्यायिक प्रक्रिया के प्रति %गहरे सम्मान% के साथ स्वीकार करते हैं। कौन से आरोप खारिज किए?- 10 अगस्त को जज गाराउफिस ने 47 पन्नों का आदेश जारी किया। इसमें उन्होंने अमेरिकी न्याय विभाग के आरोप खारिज करने के अनुरोध को मंजूरी दी। यह मांग गौतम अदाणी, सागर अदाणी और अदाणी ग्रीन एनर्जी के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनीत जैन से जुड़े मामले में की गई थी। इनके खिलाफ तीन आरोप खारिज किए गए। इनमें प्रतिभूति धोखाधड़ी की साजिश, वायर धोखाधड़ी की साजिश और प्रतिभूति धोखाधड़ी के आरोप भी शामिल थे। इन आरोपों को स्थायी रूप से खारिज किया गया है। यानी इन्हीं आरोपों को दोबारा दर्ज नहीं किया जा सकता। कौन से आरोप अभी बाकी हैं?- जज गाराउफिस ने मामले में दो आरोपों पर अभी फैसला नहीं दिया है। पहली धारा में विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम के उल्लंघन का आरोप है। पांचवीं धारा में न्याय में बाधा डालने की साजिश का आरोप है। ये दोनों आरोप भारत में रहने वाले पांच सह-आरोपियों से जुड़े हैं। ये आरोपी अब तक अदालत में पेश नहीं हुए हैं। इनमें रंजीत गुप्ता, सिरिल कैबनेस, सौरभ अग्रवाल, दीपक मल्होत्रा और रूपेश अग्रवाल शामिल हैं। अमेरिकी न्याय विभाग को अदालत की शर्तें पूरी करने के लिए 31 अगस्त तक का समय दिया गया है। वहीं, अदालत में पेश नहीं हुए आरोपियों के वकीलों को भी इसी तारीख तक पुष्टि करनी होगी कि उनके मुवक्किल आरोप खारिज किए जाने पर सहमत हैं। क्या अदालत ने अदाणी को आरोपों से बरी किया है? जज ने साफ किया कि आरोप खारिज करना अभियोजन पक्ष के विवेक का इस्तेमाल करने का फैसला है। यह आरोपों पर अदालत का फैसला नहीं है। गाराउफिस ने अपने आदेश में लिखा कि किसी को भी इस फैसले को सरकार के फैसले से अदालत की सहमति या आरोपों की सच्चाई पर अदालत की राय नहीं समझना चाहिए।

## संपादकीय Editorial

# The "Saffron" Drama in Parliament

Parliament House is not a stage for drama or pretense. It is the supreme, sacred, dignified, and respectable platform of the country's republic. Indeed, our honorable MPs have questioned its dignity and image. Of course, MPs and political groups can protest and hold sit-ins within the Parliament complex, but they should consider whether such hypocrisy and charades are in the national interest, public interest, and numerous faiths. Whatever Pappu Yadav, an independent MP from Bihar (a Congress supporter), did within the Parliament complex was certainly anti-Sanatan. It was also an insult to Lord Shri Ram. It was also a dramatic staging of false and hollow allegations. Pappu Yadav cannot even give Parliament House the symbol of the "National School of Drama." There is no evidence, allegation, or investigation team's conclusion that saints and sages committed theft or robbery of donations for the Ram Temple in Ayodhya. This issue deserves a thought-provoking, indicting debate in Parliament, forcing the Modi government and the BJP to answer. Pappu Yadav's impersonation of a saint and symbolic enactment of fund theft should not have occurred in Parliament. Millions of people in Purnia did not elect him for this reason. Seventy-six years have passed since the Constitution was enacted, and the 18th Lok Sabha is currently in office, yet we have not heard of such a disgraceful political drama, nor have we witnessed it in the past three decades. Truly, this theft and robbery at Lord Shri Ram's temple is the most despicable and despicable form of corruption. Political parties will still raise hue and cry when bulldozers are run over properties built with stolen money.

Nonetheless, the necessary action has been taken in this regard. The resignation of Champat Rai Bansal, the Trust's General Secretary, has been accepted, and a new General Secretary is being appointed. The police and investigation team have questioned and questioned those who are tainted. Pappu has called some responsible people "thieves," which is legally unacceptable. The investigation is still ongoing. The case has reached the Supreme Court, and the court has requested the latest details of the SIT report. Many tainted and corrupt figures are still in jail, and the police are conducting detailed interrogations. This crime within the Ram Temple is undoubtedly nothing less than a spiritual blow to a community of believers. If this crime hadn't been committed by some evildoers, it wouldn't have become an issue, Sanatan Dharma wouldn't have been insulted, and MPs like Pappu Yadav wouldn't have staged a drama in Parliament. But now it has been turned into a political, electoral issue. Several opposition figures, including Leader of the Opposition Rahul Gandhi, SP MP from Ayodhya-Faizabad, Awadhesh Prasad, and SP MP Dimple Yadav, were involved in Pappu Yadav's drama. Pappu was acting and pocketing the donation money. A dramatic act of donation theft was being enacted. His fellow MPs even beat him up symbolically. When Pappu Yadav tried to run away with the donation box, an attempt was made to snatch it from him. This drama undoubtedly angered some Hindu organizations, saints, and MPs. Saints and sages held processions in cities like Ayodhya, Prayagraj, and Lucknow, condemning Pappu Yadav's charade, and filing FIRs. Consequently, attackers entered Pappu Yadav's official residence and attacked the MP. Shoes and slippers were thrown at him, and a large knife was shown on TV channels. The MP claimed that the attackers had come to kill him. Had the public not been there, anything could have happened.

# Inquilab Zindabad, the harbinger of revolution and movements

After the martyrdom of Bhagat Singh, Rajguru, and Sukhdev, this revolutionary slogan transformed its journey into a caravan and soon gained such momentum that it emerged as the most beloved slogan of Indians.

The revolutionary slogan of Inquilab Zindabad, first penned by Hasrat Mohani in 1921, was made world-famous by brave sons of Mother India like Bhagat Singh, Ashfaqulla Khan, and Rajendranath Lahiri.

Whenever the echo of Inquilab Zindabad is heard, great heroes like Shaheed Bhagat Singh, Rajguru, Sukhdev, Batukeshwar Dutt, Ashfaqulla Khan, Ramprasad Bismil, and Chandrashekhar Azad come forward to inspire the youth. History has preserved their indomitable, courageous sacrifices in golden letters. Some are not stories of struggle, they are heroic sagas that can never be forgotten. Every century of history is indebted to them. The voices of these sons of Mother India had the power to shake the throne of the British government with the slogan "Inquilab Zindabad." "Inquilab Zindabad," meaning "Long Live the Revolution," had a revolutionary impact on India's freedom movement.

The Indian sky had begun to turn crimson red in the struggle for independence as early as 1905, and the country's young generation had stepped forward to confront the British. The extremist group was at the forefront of this movement. "Inquilab Zindabad" reached the public consciousness when the Hindustan Socialist Republican Association instructed its members, Bhagat Singh and Batukeshwar Dutt, to throw two bombs and some pamphlets into the Central Assembly on April 8, 1929, while the Public Safety Bill and the Trade Disputes Bill were being debated. The pamphlets read, "Bombs are needed to make the deaf hear."

Bhagat Singh and Batukeshwar Dutt were arrested by the British government and tried for the Central Assembly Bombing Case and the Lahore Conspiracy Case (1929). During their arrest, Bhagat Singh and Batukeshwar Dutt raised the slogan "Inquilab Zindabad!" This revolutionary slogan quickly established its revolutionary presence among the youth of India. During that revolutionary era, this slogan "Inquilab Zindabad" further fueled the revolutionary spirit of every child, youth, and adult. Later, most of the revolutionaries were found guilty in the Lahore Conspiracy Case. Of these, Bhagat Singh, Rajguru, and Sukhdev were hanged on March 23, 1931. Perhaps the British government considered this the easiest way to quell the flames of revolution, but they were unaware of the courage of these revolutionaries. The very roots of British rule were about to be uprooted. While kissing the noose, these revolutionary youth were smiling and singing the slogan of Inquilab Zindabad. "The love for the country will not go away from my heart even after death; the fragrance of the country will emanate from my soil." "Inquilab Zindabad!" After the martyrdom of Bhagat Singh, Rajguru, and Sukhdev, this revolutionary slogan transformed its journey into a caravan and soon gained such momentum that it became the most popular slogan of Indians. Every young person who joined the ranks of revolutionaries was identified with "Inquilab Zindabad." After Bhagat Singh's martyrdom, this revolutionary slogan kept Indians awake. The echo of the slogan carried the revolutionary ideas of Shaheed-e-Azam Bhagat Singh and all the revolutionaries of that era to every corner of the country. Its impact was also visible when Indians registered their protest by showing black flags to Mahatma Gandhi at the special Congress session held in Karachi in 1931. "Inquilab Zindabad" echoed throughout India along with "Bhagat Singh Zindabad." "Inquilab Zindabad" remained the most revolutionary slogan in the movements from 1929 to 1947, whether it was for the "Long Live India" or for the "Long Live India" movement. Whether it was the Quit India Movement (1942), the Royal Indian Navy Mutiny of 1946, the Tebhaga Movement of 1946-47, or the JP Movement of 1974-75, the slogans of "Inquilab Zindabad" and "Jai Hind" uttered by the rebellious sailors, farmers, students, and their supporters reflected the same revolutionary fervor as in 1929. Even today, this slogan is heard periodically in numerous democratic movements, including various farmer, student, and labor movements. This revolutionary slogan, synonymous with revolution, continues to awaken people to their rights. Undoubtedly, future generations will continue to be inspired by this revolutionary slogan.

# Rainfall and Snakebite Incidents: The Danger of Snakes and Frightening Statistics

The "Million Death Study" is one of the most reliable studies to understand the true extent of snakebite in India. According to this study, conducted from 2000 to 2019, approximately 1.2 million people died from snakebites in the country over these 20 years, or an average of approximately 58,000 deaths per year. The rainy season is at its peak, and with it, the risk of snakebites also increases sharply. This is the time when snakebite incidents and deaths are highest. Farmers, laborers, rural women, and children working in the fields are most at risk. Therefore, caution, awareness, and timely treatment during the monsoon season can save thousands of lives. India is one of the countries where snakebite has become a serious public health problem. According to the World Health Organization, approximately 50,000 people die from snakebite every year in India, accounting for nearly half of all such deaths worldwide. Snakebites not only cause death, but also leave permanent disabilities, financial hardship, and profound psychological burdens on families.

The "Million Death Study" is one of the most reliable studies to understand the true nature of snakebites in India. According to this study, conducted from 2000 to 2019, approximately 1.2 million people died from snakebites in the country over these 20 years, or an average of 58,000 deaths per year. Nearly half of these deaths were in the 30-69 age group, while more than a quarter of the victims were children under 15 years of age. Most incidents occurred in rural areas, in fields, around homes, or during farming.

Nearly 70 percent of deaths were recorded in agricultural states such as Bihar, Jharkhand, Madhya Pradesh, Odisha, Uttar Pradesh, Andhra Pradesh, Rajasthan, and Gujarat, where human-snake contact is relatively high.A study published in the prestigious research journal Nature Communications in 2025 also highlighted the severity of this threat. In five districts, 7,094 snakebite cases were reported over the course of a year, with nearly half of the deaths occurring before reaching a hospital.

According to the study, 64 percent of the victims were men, and the 30-39 year-old age group was the most affected. The average cost of treatment was ?6,500, while in private hospitals it could exceed ?27,000. Most worrying was that approximately 48 percent of the victims were from families living below the poverty line.It is estimated that two to three lakh snakebite cases are reported in India each year. In approximately 70 percent of these cases, the venom spreads throughout the body. According to the World Health Organization, there are 81,000 to 1.38 lakh such cases in the country each year. The actual number may be higher, as incidents go unreported in many rural areas.

Even today, many people resort to witchcraft, sorcery, or home remedies instead of going to the hospital, which delays treatment and increases the risk of death.

The most significant aspect of snakebites is their seasonal nature. According to the Million Death Study, nearly half of deaths occur during the southwest monsoon, with July being the most vulnerable month. A Nature Communications study also found over 62 percent of cases occurred during the monsoon season. Approximately 20 percent of incidents occur between October and January, while the number remains relatively low during the remaining months of the year.There are clear scientific reasons behind the increase in snakebites during the rainy season. Continuous rainfall floods snake burrows, forcing them to seek shelter and dry places, such as fields, houses, bushes, and human settlements.

On the other hand, this is also the time for plowing, sowing, and other agricultural activities, which increases human-snake encounters. Various studies have found that snakebite incidents can increase four to five times during the monsoon season compared to normal times.In India, four major venomous snakes are responsible for most serious snakebite incidents—the Indian cobra, the krait, the Russell's viper, and the saw-toothed viper. Of these, the krait is particularly dangerous because it is more active at night and often bites while sleeping. In such cases, victims often become aware of the situation late, leading to delayed treatment. Recognizing the severity of the problem, the central government launched the National Action Plan for Snakebite Control and Prevention in 2024. Its goal is to reduce snakebite deaths by half by 2030.

This plan places special emphasis on increasing the availability.

# तेंदुए के जबड़े में थी किसान की गर्दन... मुरादाबाद में चाचा-भाई ने दरांती से यूं बचाई जान, रोंगटे खड़े कर देगी घटना

## रामगंगा खादर में दहशत के बीच एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद, संतोष देवी की मौत से जुड़ाव की आशंका

मुरादाबाद के मलकपुर सेमली गांव में एक तेंदुए ने किसान पुष्पेंद्र पर हमला कर उनकी गर्दन दबोच ली। चाचा और भाई ने दरांती से भिड़कर साहस दिखाते हुए पुष्पेंद्र को तेंदुए के जबड़े से छुड़ाया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।मुरादाबाद। रामगंगा नदी के खादर क्षेत्र में मंगलवार को तेंदुए के हमले की एक और खौफनाक घटना सामने आई। मलकपुर सेमली गांव में गन्ने के खेत में खाद बिखेर रहे किसान पुष्पेंद्र पर घात लगाए बैठे तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुआ पुष्पेंद्र की गर्दन जबड़े में दबोचकर खींचकर ले जाने लगा।

शोर सुनकर पास में ही काम कर रहे चाचा गेंदा सिंह और छोटा भाई बिट्टू दरांती लेकर तेंदुए से भिड़ गए। दोनों के साहस के आगे तेंदुआ पुष्पेंद्र को छोड़कर भाग गया। गंभीर घायल पुष्पेंद्र जिला अस्पताल में भर्ती हैं।बुधवार को इसी गांव के बाबू पर तेंदुआ खेत में काम करते समय हमला कर चुका है। तेंदुए ने इससे पहले महेंद्र सिंह के आठ वर्षीय बेटे आयुष पर और सिद्दीक के बेटी के पुत्र शुएब पर भी हमला किया था।पुष्पेंद्र कुमार मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे रामगंगा किनारे अपने गन्ने के खेत में खाद बिखेरने गए थे। साथ में भाई बिट्टू और चाचा गेंदा सिंह भी थे। पुष्पेंद्र खेत में खाद डाल रहे थे, जबकि चाचा और भाई मेंढ़ पर खड़े होकर निगरानी कर रहे थे।

इसी दौरान तेंदुए ने पुष्पेंद्र पर झपट्टा मार दिया। पुष्पेंद्र जमीन पर गिर गए और तेंदुए ने उनकी गर्दन दबोची और खींकर ले जाने लगा। पुष्पेंद्र की चीख सुनकर गेंदा सिंह और बिट्टू दौड़ पड़े। दोनों ने दरांती लेकर शोर मचाया और तेंदुए का सामना किया। अचानक विरोध होने पर तेंदुआ पुष्पेंद्र को छोड़कर भाग गया। चाचा और भाई घायल पुष्पेंद्र को खेत से बाहर लेकर आए। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ आसपास तलाश शुरू की लेकिन, तेंदुआ नहीं दिखा। स्वजन के अनुसार, पुष्पेंद्र की गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरे जख्म हैं। उधर, तेंदुओं के आतंक के बीच लालापुर पीपलसाना गांव में मंगलवार को एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। वन विभाग ने तेंदुए की गतिविधियां लगातार सामने आने के बाद इस गांव में पीपल के पेड़ के आसपास पिंजरा लगाया था। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों की मदद से पिंजरे को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।

उसे डियर पार्क में रखा गया है। डीएफओ डॉ. विनय कुमार सिंह ने बताया कि पकड़ा गया तेंदुआ संतोष देवी की मौत के मामले से संबंधित हो सकता है। क्षेत्र में तेंदुओं की तलाश और निगरानी अभियान जारी है। मुरादाबाद के लालापुर पीपलसाना गांव में रामगंगा खादर क्षेत्र में दहशत के बीच एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया है। वन विभाग का दावा है कि यह तेंदुआ दस दिन पहले संतोष देवी की जान लेने वाले तेंदुए से जुड़ा हो सकता है।लालापुर पीपलसाना में दहशत के बीच एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद। वन विभाग ने संतोष देवी की मौत से जुड़ाव की आशंका व्यक्त की। ग्रामीणों और वन विभाग ने मिलकर तेंदुए को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।रामगंगा नदी के खादर क्षेत्र में तेंदुओं की दहशत के बीच मंगलवार को लालापुर पीपलसाना गांव में एक और तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुआ पिंजरे में फंसते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। वन विभाग की टीम के साथ ग्रामीणों ने पिंजरे को खींचकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया। इस तेंदुए के पकड़े जाने के बाद भी ग्रामीणों की चिंता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। वन विभाग का दावा है कि यह तेंदुआ दस दिन पहले गन्ने के खेत में चारा लेने गई संतोष देवी की जान लेने वाला हो सकता है।पकड़ा गया तेंदुआ पीपल के पेड़ के आसपास सक्रिय था। इसी क्षेत्र में उसे पीपल के पेड़ पर चढ़े हुए भी देखा गया था। उसकी लगातार गतिविधियों को देखते हुए वन विभाग ने आसपास पिंजरा लगाया था। मंगलवार को तेंदुआ पिंजरे में कैद हो गया। सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंच गए।तेंदुए को पिंजरे समेत मौके से सुरक्षित स्थान तक ले जाने में ग्रामीणों ने भी वन विभाग की टीम का साथ दिया। ग्रामीणों ने पिंजरे को खींचकर बाहर निकाला। इसके बाद वन विभाग की टीम तेंदुए को सुरक्षित स्थान पर ले गई। बताया जा रहा है कि उसे भी डियर पार्क में रखा जायेगा। संतोष देवी की मौत के बाद से लालापुर पीपलसाना और आसपास के गांवों में तेंदुए को लेकर दहशत बनी हुई है। खेतों में चारा लेने और कृषि कार्य के लिए जाने वाले ग्रामीण विशेष सावधानी बरत रहे हैं। मंगलवार को एक तेंदुआ पकड़े जाने के बावजूद क्षेत्र में निगरानी और तलाश अभियान जारी रखा गया है। डीएफओ डा. विनय कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार को पकड़ा गया तेंदुआ संतोष देवी की मौत के मामले से संबंधित तेंदुआ हो सकता है। वन विभाग की टीमें लगातार निगरानी और तलाश अभियान चला रही हैं।

# हिंदू-मुस्लिम की राजनीति कर असल मुद्दों से ध्यान भटका रही भाजपा, शिवपाल यादव ने BJP को घेरा

## सपा महासचिव शिवपाल यादव ने जेल में की आजम खान से मुलाकात

सपा महासचिव शिवपाल यादव ने भाजपा पर किसानों, नौजवानों और व्यापारियों के असल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए हिंदू-मुस्लिम राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सपा न्यायपालिका का सम्मान करती है और 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए काम करेगी।भाजपा पर हिंदू-मुस्लिम राजनीति से ध्यान भटकाने का आरोप। सपा न्यायपालिका का सम्मान करती है, राम मंदिर विरोधी नहीं। 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का लक्ष्य।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा पर किसानों, नौजवानों, व्यापारियों समेत सभी वर्गों की समस्याओं से ध्यान भटकाने के लिए हिंदू-मुस्लिम की राजनीति करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और व्यापारियों की परेशानियों से जूझ रही है, लेकिन भाजपा इन मुद्दों पर काम करने के बजाए समाज को बांटने की राजनीति कर रही है। मथुरा में कारसेवा की बात करना भी इसी राजनीति का हिस्सा है। दिल्ली की तरफ से मुरादाबाद पहुंचे

शिवपाल यादव का पाकबड़ा में जीरो प्वाइंट पर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। सर्किट हाउस पहुंचे शिवपाल सिंह यादव ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी श्री राम मंदिर की विरोधी नहीं है। मंदिर तो न्यायालय के आदेश से बना है और सपा न्यायपालिका का हमेशा सम्मान करती रही है। भाजपा मंदिर निर्माण का श्रेय लेना चाहती है लेकिन, अब चंदा चोरी जैसे मुद्दों को दबाने के लिए हिंदू-मुस्लिम के बहाने समाज को बांटने के अलग-अलग तरीके अपनाए जा रहे हैं।

सपा नेता आजम खां के मामले पर शिवपाल यादव ने कहा कि उन पर तमाम झूठे मुकदमे लगाए गए। मुर्गी चोरी तक का आरोप लगाया।

समाजवादी पार्टी के नेताओं को फंसाने की साजिश - शिवपाल सिंह संभल की न्यायिक जांच के बहाने भी समाजवादी पार्टी के नेताओं को फंसाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बार ऐसा कुछ नहीं होने वाला है। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में जनता अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का मन बना चुकी है। मैं भी इसी मकसद से पूरे प्रदेश का दौरा कर रहा हूं।

बुधवार को रामपुर जेल में आजम खां से मुलाकात करनी है।

इसके बाद जौहर विश्वविद्यालय भी जाऊंगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी छात्रों और जौहर विश्वविद्यालय के साथ है। छात्रों, नौजवानों, किसानों और व्यापारियों के हितों के लिए जहां भी संघर्ष करने की जरूरत होगी, पार्टी उनके साथ खड़ी रहेगी।

बसपा से हमारा कोई नाता नहीं है। कांग्रेस से अभी तक गठबंधन है। पार्टी में गुटबाजी के सवाल को शिवपाल यादव ने टालते हुए कहा कि सभी अपने लोग हैं। आपस में बैठकर सभी मामले निपटा लिए जाएंगे। पार्टी का लक्ष्य एक है और सभी लोग मिलकर वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए काम करेंगे। करीब एक घंटा 1 घंटे हुई बातचीत, आज़म खान के परिवार से भी मिले- सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने रामपुर जेल में आजम खान और अब्दुल्ला आजम से 1 घंटे तक मुलाकात की। शिवपाल ने आजम के परिवार से भी बातचीत की।समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव बुधवार को रामपुर पहुंचे।

यहां उन्होंने रामपुर जिला कारागार में बंद सपा के कद्दावर नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। आगामी 2027 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए शिवपाल और आजम की इस मुलाकात को सियासी तौर पर बेहद अहम माना जा रहा है। परिवार से मिले, जाना हालचाल- बुधवार सुबह करीब 10.45 बजे शिवपाल यादव जिला कारागार पहुंचे। जेल के बाहर सपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। जेल में आजम खान से एक घंटे की बातचीत के बाद शिवपाल जेल रोड स्थित आजम खान के आवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने आजम खान की पत्नी व पूर्व सांसद तजीन फातिमा और बड़े बेटे अदीब आजम से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। जौहर यूनिवर्सिटी पहुंचे, दिया हर संभव मदद का आश्वासन- आजम खान के घर पर करीब एक घंटा बिताने के बाद शिवपाल यादव सीधे जौहर विश्वविद्यालय (Jauhar University) पहुंचे। यहां उन्होंने जौहर विवि प्रशासन, कुलपति जहीरूद्दीन और छात्रों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया। शिवपाल यादव ने मीडिया के सामने आजम खान से हुई बातचीत के पत्ते तो नहीं खोले, लेकिन जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन जरूर दिया। जौहर विवि से जुड़े मामलों और शिवपाल के दौरे की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने बनाई दूरी, चर्चाओं का बाजार गर्म- शिवपाल यादव के इस हाई-प्रोफाइल दौरे के दौरान रामपुर से सपा सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी नदारद रहे। दरअसल, आजम खान और उनके समर्थकों की नाराजगी के चलते सांसद नदवी इन दिनों रामपुर में राजनीतिक सक्रियता से दूरी बनाने को मजबूर हैं। गौरतलब है कि कुछ समय पहले जब सांसद नदवी जौहर विवि पहुंचे थे, तो उनके लिए गेट तक नहीं खोला गया था। इसके बाद से ही वह विधायक और सांसद प्रतिनिधिमंडल के दौरों से दूरी बनाए हुए हैं, जो कि राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इधर, सपा जिलाध्यक्ष अजय सागर और नगराध्यक्ष आसिम राजा ने राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव का जिला कार्यालय पर भव्य स्वागत किया।

## संक्षिप्त समाचार

# भाजपा महानगर अध्यक्ष और शिवसेना जिलाध्यक्ष में जमकर गाली-गलौज, कार्यकर्ता आमने-सामने

मुरादाबाद में भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला और शिवसेना जिलाध्यक्ष नन्हें चौधरी के बीच गाली-गलौज और विवाद हो

गया। बताया जा रहा है कि भाजपा नेता की कार से स्कूटी सवार बच्चे को टक्कर लगने के बाद विवाद बढ़ा। घटना का वीडियो सामने आया है, जबकि नन्हें चौधरी ने थाने में शिकायत दी है।सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में मंगलवार को भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला और शिवसेना जिलाध्यक्ष नन्हें चौधरी के बीच विवाद हो गया। दोनों के बीच गाली-गलौज होने का करीब दो मिनट का वीडियो भी सामने आया है। विवाद के बाद दोनों पक्षों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। मौके पर मौजूद लोगों और भाजपा नेता के गनर ने दोनों को अलग कराया। बताया जा रहा है कि मंगलवार दोपहर को भाजपा महानगर अध्यक्ष की कार से स्कूटी सवार एक बच्चे को टक्कर लग गई थी। हादसे में बच्चा घायल हो गया। शिवसेना जिलाध्यक्ष नन्हें चौधरी ने बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया।आरोप है कि घटना के कुछ देर बाद भाजपा महानगर अध्यक्ष नन्हें चौधरी की दुकान पर पहुंचे। यहां दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद गाली-गलौज में बदल गया। दोनों पक्षों के लोगों के बीच भी तनातनी की स्थिति बन गई।मौके पर मौजूद गनर और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। शिवसेना जिलाध्यक्ष नन्हें चौधरी ने सिविल लाइंस थाने पहुंचकर शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## हरिद्वार जल लेने गया युवक गंगा नदी में डूबा, 8 घंटे की मशक्कत के बाद मिला शव

रामपुर के अजीमनगर का रहने वाला 22 वर्षीय कांवड़िया जयवीर हरिद्वार में गंगा नदी में डूब गया। गोताखोरों ने 8 घंटे की मशक्कत के बाद उसका शव बाहर निकाला।कांवड़ियों के जत्थे के साथ 3 दिन पहले हरिद्वार से गंगाजल लेने गए युवक की गंगा नदी में डूबकर मौत हो गई। 8 घंटे की मेहनत के बाद गोताखोरां ने युवक का शव बाहर निकाला और युवक के परिजनों को सूचना दी। युवक की मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया। इसके बाद परिजन युवक का शव लेने के लिए हरिद्वार के लिए रवाना हो गए। हरिद्वार पुलिस ने मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। थाना अजीमनगर के ग्राम हरदासपुर कोठरा निवासी प्रेम सिंह का 22 वर्षीय पुत्र जयवीर सैनी कांवड़ियों के जत्थे के साथ हरिद्वार से गंगाजल लेने के लिए तीन दिन पहले गया था। सोमवार सुबह कांवड़ियों का जत्था हरिद्वार पहुंच गया और गंगाजल लाने की तैयारी करने लगा। सोमवार की सुबह करीब 10 बजे जयवीर सैनी गंगा में स्नान करने लगा। गंगा नदी का बहाव तेज होने के कारण जयवीर गंगा की धार में बह गया। गंगा किनारे खड़े उसके साथियों ने जयवीर को गंगा की धार के साथ बहते देखा तब उनके होश उड़ गए। उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया शोर सुनकर गोताखोर मौके पर पहुंच गए और पानी में जयवीर की तलाश शुरू कर दी। लेकिन दो-चार घंटे में भी जयवीर का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद गोताखोरों की टीम एक बार फिर पानी में उतरी और करीब 8 घंटे की मशक्कत के बाद जयवीर का शव बरामद कर लिया। जयवीर का शव देखकर उसके साथी बिलखने लगे और जयवीर के परिजनों को फोन किया। मौत की सूचना मिलने पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन हरिद्वार पहुंच गए और हरिद्वार पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# महंगी होगी प्रॉपर्टी, 25 अगस्त से लागू होंगे नए सर्किल रेट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जमीन और मकानों के सर्किल रेट में बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। वर्ष 2026-27 के लिए तैयार की गई संशोधित मूल्यांकन दर सूची में अलग-अलग क्षेत्रों में जमीन की मौजूदा दरों में 5 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया है। कुछ स्थानों पर इससे अधिक बढ़ोतरी का भी प्रस्ताव है। अभी ये दरें अंतिम नहीं हैं। प्रशासन ने लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं।

बरेली में जमीन और मकानों के सर्किल रेट में बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। वर्ष 2026-27 के लिए तैयार की गई संशोधित मूल्यांकन दर सूची में अलग-अलग क्षेत्रों में जमीन की मौजूदा दरों में 5 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का प्रस्ताव रखा गया है। कुछ स्थानों पर इससे अधिक बढ़ोतरी का भी प्रस्ताव है। अभी ये दरें अंतिम नहीं हैं। प्रशासन ने लोगों से आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं। बरेली सदर प्रथम क्षेत्र में अकृषक भूमि की दरों में उपयोगिता के आधार पर शून्य से 20 प्रतिशत, कृषि भूमि में शून्य से 12 प्रतिशत और वाणिज्यिक एकल भूमि में औसतन 10 प्रतिशत बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। उप निबन्धक सदर प्रथम बरेली के क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत वर्णित एकल से भिन्न वाणिज्यिक भवनों के कॉम्प्लेक्स दर में सभी राजस्व ग्राम / मोहल्ला में औसतन 5 प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित की जा रही है। डीमार्ट से कनाट प्लेस / क्लाक टावर होते हुये बीसलपुर मार्ग तक / तिराहे तक प्रस्तावित मार्ग मे स्थित राजस्व चन्द्रपुर विचपुरी व डोहरा की दरे प्रस्तावित की गयी है। निर्माण की दरों मे 0 से 10 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। वहीं, सदर द्वितीय क्षेत्र में अकृषक और कृषि भूमि की दरों में 0 से 20 प्रतिशत तक वृद्धि प्रस्तावित है। वाणिज्यिक एकल भूमि की दर भी शून्य से 20 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव है।

# चौपला पुल का खतरनाक मोड़, जरा संभलकर!

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। चौपला ओवरब्रिज पर अटल सेतु की ओर से आने वाली सड़क और चौपला जाने वाले मार्ग के मिलान स्थल पर बना खतरनाक मोड़ वाहन चालकों के लिए मुसीबत बना हुआ है।

अचानक आने वाले इस मोड़ पर वाहनों की दिशा बदलते समय हादसे का खतरा बना रहता है। तेज रफ्तार वाहन चालकों को कई बार मोड़ का सही अंदाजा नहीं हो पाता, जिससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। पुल पर यातायात का दबाव रहने के कारण स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है। तेज गति से आने वाले वाहन जब अचानक मोड़ पर पहुंचते हैं तो उन्हें संभलने का पर्याप्त मौका नहीं मिल पाता। रात के समय खतरा और बढ़ जाता है। पर्याप्त चेतावनी संकेतक और सुरक्षा इंतजाम न होने से वाहन चालकों को मोड़ का अनुमान लगाने में परेशानी होती है। वाहन चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि मोड़ से पहले स्पष्ट चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर, बैरिकेडिंग और पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराई जाए। साथ ही सड़क पर ऐसे संकेत लगाए जाएं, जिससे वाहन चालक पहले ही गति नियंत्रित कर सकें और संभावित हादसों को टाला जा सके।

# कलक्ट्रेट गेट पर माँ बेटी ने किया आत्मदाह का प्रयास, छिड़का पेट्रोल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कैंट इलाके में एक प्लॉट पर कथित कब्जे के विरोध में बुधवार सुबह महिला और उसकी बेटी ने कलक्ट्रेट गेट पर आत्मदाह का प्रयास किया। दोनों ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़क लिया था। हालांकि, मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत उन्हें बचा लिया। मानपुर चिकटिया निवासी गौरव ने आरोप लगाया कि उनके 200 गज के प्लॉट पर पड़ोसी राजवीर करीब दो महीने से कब्जा किए हुए है। प्लॉट पर निर्माण कार्य किए जाने का विरोध करने के लिए मंगलवार सुबह गौरव के परिवार की महिलाएं पहुंची थीं। आरोप है कि वहां कैंट थाने के हल्का प्रभारी राकेश दरोगा भी मौजूद थे। महिलाओं ने काम रोकने की बात कही। आरोप है कि उनके साथ मारपीट कर उन्हें प्लॉट से भगा दिया गया। गोरव के अनुसार, इस मामले को लेकर कई बार पुलिस अधिकारियों, जिलाधिकारी और सदर उपजिलाधिकारी से शिकायत की गई थी। हालांकि, उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं निकला। इसी हताशा में परिवार ने यह कदम उठाया। महिलाओं ने खुद पर छिड़का पेट्रोल गौरव की चाची कमलेश, ताई मुन्नी और बहन रोशनी व विमलेश बुधवार सुबह अपने परिवार के साथ कलक्ट्रेट गेट पहुंचीं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासन उनकी शिकायत पर ध्यान नहीं दे रहा है। महिलाओं ने न्याय न मिलने से हताश होकर आत्मदाह का कदम उठाया। उन्होंने पेट्रोल छिड़ककर खुद को आग लगाने की कोशिश की। यह घटना कलक्ट्रेट परिसर में हड़कंप का कारण बन गई। प्रशासनिक हस्तक्षेप और जांच कलक्ट्रेट गेट पर तैनात होमगार्ड संदीप शर्मा ने अन्य कर्मचारियों की मदद से महिलाओं के हाथ से पेट्रोल की बोतल छीन ली। इस दौरान इंटेलिजेंस के दरोगा ओमपाल सिंह भी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने तुरंत जिलाधिकारी से बातचीत की। जिलाधिकारी ने महिलाओं को जल्द समस्या के निस्तारण का आश्वासनदिलाया। बाद में चारों महिलाओं को जिला अस्पताल में भेजा गया। मामले में लगाए गए आरोपों की जांच की जा रही है।

# तिरंगे के रंग में रंगा बरेली, विद्यार्थियों ने दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के तहत बुधवार को मनोहर भूषण इंटर कॉलेज, बरेली में जनपदीय तिरंगा मेला एवं तिरंगा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने तिरंगे से सजी रंगोली, पोस्टर एवं विभिन्न रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। तिरंगा मेला प्रतियोगिता में एमबी इंटर कॉलेज के पंकज कुमार ने प्रथम, मोहम्मद आकिब ने द्वितीय तथा सीजीडी मेमोरियल की कक्षा 12 की छात्रा वर्षा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं तिरंगा पोस्टर प्रतियोगिता में महावीर प्रसाद कन्या इंटर कॉलेज की अंशिका सक्सेना ने प्रथम, राजकीय इंटर कॉलेज के कक्षा 10-सी के हिमांशु ने द्वितीय तथा एमबी इंटर कॉलेज के मानव गुप्ता ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। एमबी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। डॉ. केपी सिंह ने विद्यार्थियों को स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने और जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर उसके अनुरूप मेहनत करने का संदेश दिया। आयोजकों ने कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का आभार व्यक्त करते हुए प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

# हाथियों के संरक्षण का संदेश लेकर बच्चों के बीच पहुंचे वन अधिकारी, पौधरोपण से दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। फरीदपुर रोड स्थित श्री विष्णु इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को विश्व हाथी दिवस उत्साह एवं जागरूकता के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रेंज फॉरेस्ट ऑफिसर, फरीदपुर ऋषि कुमार का विद्यालय परिवार की ओर से पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत वन अधिकारी ऋषि कुमार एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं द्वारा आंवला, अमरूद सहित विभिन्न पौधों के रोपण से हुई।

इसके बाद वन अधिकारी ने बच्चों को हाथियों के संरक्षण, उनके पर्यावरणीय महत्व तथा मानव-वन्यजीव संबंधों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां रोचक ऐतिहासिक कहानियों के माध्यम से दीं।

उन्होंने बच्चों को वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील बनने और प्रकृति संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर श्री विष्णु विद्यालय सोसाइटी (रजि.), बरेली के पदाधिकारियों एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य ने ऋषि कुमार को विद्यालय का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर रानी गौतम, अनुरक्ति मिश्रा, अनम फातिमा, इरम खान सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

# इंडस्ट्री फ्रेंडली सिटी के लिए आईआईए का 20 साल का विजन, कमिश्नर को सौंपा फ्यूचर प्लान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महानगर के तेजी से बढ़ते औद्योगिक विस्तार और यातायात के बढ़ते दबाव के बीच इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) बरेली चैप्टर ने बरेली को इंडस्ट्री फ्रेंडली सिटी बनाने की दिशा में बड़ा विजन पेश किया है। आईआईए ने अगले 20 वर्षों की औद्योगिक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी को मजबूत करने के लिए विशेष फ्यूचर प्लान मंडलायुक्त शंभू कुमार के सामने रखा।आईआईए प्रतिनिधिमंडल ने चैप्टर चेयरमैन शेखर अग्रवाल, सचिव धनंजय विक्रम सिंह, कोषाध्यक्ष आशीष गुप्ता, सीईसी सदस्य विमल रिवाड़ी, राष्ट्रीय सचिव मयूर धीरवानी और अभिनव कटरू के नेतृत्व में मंडलायुक्त से मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सौंपे।

प्रतिनिधिमंडल ने जीरो प्वाइंट पर एलिवेटेड रोड/फ्लाईओवर, रजऊ औद्योगिक क्षेत्र के लिए बेहतर रोड सर्कुलेशन प्लान, ब्लॉक से तहसील स्तर तक इलेक्ट्रिक सार्वजनिक परिवहन और फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स विकसित किए जाने सहित कई सुझाव रखे।आईआईए चेयरमैन शेखर अग्रवाल ने कहा कि बरेली में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ शहर और आसपास के क्षेत्रों में वाहनों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से जीरो प्वाइंट पर औद्योगिक क्षेत्रों से आने-जाने वाले भारी वाहनों के कारण यातायात का दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में यहां एलिवेटेड रोड या फ्लाईओवर का निर्माण यातायात को सुगम बनाने के साथ औद्योगिक क्षेत्रों की कनेक्टिविटी को भी नई मजबूती दे सकता है।

आईआईए ने मंडलायुक्त से जीरो प्वाइंट के लिए सर्वेक्षण एवं तकनीकी अध्ययन कराकर भविष्य की जरूरतों के अनुरूप स्थायी समाधान तैयार कराने का अनुरोध किया।

प्रतिनिधिमंडल ने स्पष्ट किया कि मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर परिवहन व्यवस्था और नियोजित औद्योगिक विकास से बरेली को आने वाले वर्षों में प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक शहरों की श्रेणी में मजबूती से स्थापित किया जा सकता है।

# कछला धाम के लिए 50 कांवड़िये हुए रवाना, गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह / भुता। क्षेत्र के गांव सिमर बहोर नगला से बुधवार को करीब 50 कांवड़िये पवित्र गंगा जल लेने के लिए कछला धाम रवाना हुए। कांवड़ियों के रवाना होने के दौरान गांव में भक्तिमय माहौल रहा। श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारे लगाए। ग्रामीणों ने कांवड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। कांवड़िये कछला धाम पहुंचकर मां गंगा से पवित्र जल भरेंगे और पैदल यात्रा कर वापस लौटेंगे। इसके बाद सोमवार, 18 अगस्त को रसूलपुर बहनपुर स्थित शिव मंदिर में पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का गंगाजल से जलाभिषेक करेंगे। सावन माह में शिवभक्तों द्वारा भगवान शिव का जलाभिषेक करने को लेकर क्षेत्र में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। महंत निर्भय कुमार पाठक ने बताया कि सावन माह भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है। गांव से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कछला धाम से गंगाजल लाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी कांवड़ियों की यात्रा सुखद और मंगलमय हो तथा भगवान भोलेनाथ सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करें। कांवड़ियों के जत्थे में गांव के युवा और अन्य शिवभक्त शामिल हैं। श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह के साथ कांवड़ यात्रा शुरू की। इस दौरान गांव में धार्मिक उत्साह का माहौल बना रहा और चारों ओर भोलेनाथ के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### फतेहगंज पश्चिमी निकली भव्य तिरंगा यात्रा, जगह जगह हुआ स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। भाजपा ने फतेहगंज पश्चिमी में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया। भारत माता की जय वंदे मातरम और जय हिंद की जयघोष से पूरा कस्बा देश भक्ति के रंग मे रंग गया। यात्रा का शुभारंभ मीरगंज विधायक डॉ.डीसी वर्मा व तिरंगा यात्रा प्रभारी राहुल साहू ने किया। तिरंगा यात्रा ब्लॉक से प्रारंभ होकर कस्बे के लोधीनगर चौराहा पर पहुंची। जहां लोगों ने जगह-जगह यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। लोधीनगर चौराहे पर यात्रा का समापन किया गया। विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने कहा कि तिरंगा देश के गौरव स्वाभिमान और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चल रहे हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्यकर्ता जुटे है। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष राहुल साहू, मीरगंज एसडीएम निधि शुक्ला, तहसीलदार आशीष कुमार, नायव तहसीलदार अरविंद कुमार, बीडीओ आशीष पाल, बीईओ भानु शंकर गंगवार, मेला अध्यक्ष ओमेंद्र चौहान, जिला उपाध्यक्ष अजय सक्सेना, जिला पंचायत सदस्य तेजेश्वरी सिंह, ममता गंगवार, जिला महामंत्री सुरेश गंगवार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मंजू कोरी, मेजर राम सिंह, पूर्व सैनिक सुनील सिंह, सभासद धर्मेंद्र कुमार उर्फ मोनू ठाकुर, अबोध सिंह, संदीप गुप्ता, गौरव शर्मा, केपी राना, जसवीर सिंह, बालेदीन पाल सहित कस्बे के विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य व थाना प्रभारी प्रवीन कुमार, चौकी प्रभारी आदेश कुमार के साथ पुलिस दल बल के साथ मौजूद रहे।।

### खाद वितरण में धांधली के आरोपों पर जांच, सचिव से मांगा स्पष्टीकरण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बिथरी चैनपुर विकासखंड की सहकारी समिति कुंवरपुर बंजरिया में उर्वरक वितरण में धांधली के आरोपों ने प्रशासन में हलचल मचा दी। किसानों की शिकायत पर जिलाधिकारी के निर्देश से जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने अपर जिला सहकारी अधिकारी के साथ समिति पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान किसानों के बयान दर्ज किए गए। किसानों ने समिति सचिव पर अभद्र व्यवहार करने और मनमाने तरीके से खाद वितरण करने के आरोप लगाए। अधिकारियों ने उर्वरक बिक्री रजिस्टर, पीओएस मशीन और गोदाम में उपलब्ध खाद के स्टॉक की जांच की। गोदाम में उर्वरक के बैग नियमानुसार व्यवस्थित ढंग से भंडारित नहीं मिले, जिसके चलते उनकी गिनती नहीं हो सकी। इस पर समिति सचिव को चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने किसानों से खाद वितरण के संबंध में जानकारी लेने के साथ संबंधित अभिलेखों की भी पड़ताल की। जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी ने बताया कि जांच में सामने आए तथ्यों और सचिव से मांगे गए स्पष्टीकरण के आधार पर संयुक्त जांच आख्या तैयार की जा रही है। रिपोर्ट बुधवार को जिलाधिकारी को कार्रवाई के लिए सौंप दी जाएगी।

### बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत, मासूम सहित तीन गंभीर

बाराबंकी में दो बाइकों में टक्कर में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, हादसे में तीन मासूम गंभीर घायल हो गए।लखनऊ-महमूदाबाद हाईवे पर बड़ुपुर के टिकरा के पास बुधवार सुबह दो बाइकों की भिड़ंत में एक की मौत हो गई जबकि मासूम बच्चों सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल है। लिलौली गांव के अनुज रावत (30) अपनी पत्नी शिवानी और आठ माह के पुत्र को सीतापुर के महमूदाबाद से लेकर वापस गांव लौट रहे थे जबकि बड़ुपुर के ही गोडैचा गांव निवासी वंशी (60) मोपेड से महमूदाबाद की ओर जा रहे थे।दोनों बाइकों में भिड़ंत दंपति उसके मासूम बच्चे व बंसी को तत्काल तत्काल सीतापुर की महमूदाबाद सीएचसी पहुंचाया गया। यहां वंशी को मृत घोषित कर दिया गया।

# धूमधाम से निकली तिरंगा यात्रा, गूंजे भारत माता की जय के नारे

क्यूँ न लिखूँ सच / शेर सिंह / भुता। कस्बा भुता क्षेत्र में बुधवार भाजपा पदाधिकारियों ने तिरंगा यात्रा बड़े ही धूमधाम और देशभक्ति के उत्साह से ओत प्रोत के साथ निकाली गई। यात्रा के दौरान देशभक्ति का माहौल नजर आया। हाथों में तिरंगा लेकर शामिल लोगों ने 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए, जिससे पूरा क्षेत्र देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। तिरंगा यात्रा लगभग 11ः00 बजे भुता स्थित प्रीति फिलिंग स्टेशन पेट्रोल पंप से शुरू होकर कस्बे के मुख्य मार्गो से होकर थाना भुता तक पहुंचकर संपन्न हुई। रास्ते में कस्बे के ग्रामीणों ने तिरंगा यात्रा का स्वागत करते हुए पुष्प वर्षा की। जिसमें ग्रामीण देशभक्ति के उत्साह में ओत प्रोत दिखे । यात्रा में एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, समिति अध्यक्ष प्रदीप सिंह दिवंगत विधायक फरीदपुर श्याम बिहारी लाल के बेटा ईशान ग्वाल, छत्रपाल सिंह ,निशांत सिन्हा, रामेश्वर दयाल, जवाहरलाल, डॉ. महेंद्र देव, भाजपा मंडल अध्यक्ष गया प्रसाद गंगवार, मंडल उपाध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, मंडल महामंत्री दीपक सिंह चौहान, कल्याण राय मौर्य, शंकर सिंह, डालचंद मौर्य ग्राम प्रधान , कुंवर सेन गंगवार, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष विकास वर्मा, सोमवीर गंगवार, रमेश चंद्र शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र देव सक्सेना, टीआर गंगवार समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। तिरंगा यात्रा के दौरान लोगों में देशप्रेम उत्साह देखने को मिला। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी रविंद्र कुमार , अपराध नियंत्रक योगेंद्र कुमार यादव, महिला एसआई पूजा तोमर मौजूद रही ।

# तिरंगों से सजे ऑटो लेकर निकली पुलिस की रैली, शहर में गूंजे देशभक्ति के नारे

'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत पुलिस ने ऑटो यूनियन के सहयोग से निकाली रैली

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत शिवपुरी पुलिस द्वारा बुधवार को शहर में तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति के मार्गदर्शन में आयोजित रैली का उद्देश्य आमजन को अभियान से जोड़ना और राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करना रहा।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति ने तिरंगा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ऑटो यूनियन के सहयोग से निकाली गई इस रैली में करीब 50 ऑटो शामिल हुए। सभी ऑटो पर तिरंगा लहराता नजर आया, जिससे शहर में देशभक्ति का माहौल बन गया। रैली पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्रारंभ होकर अस्पताल चौराहा, कोर्ट रोड, माधव चौक, गुरुद्वारा चौराहा, राजेश्वरी रोड और एमएम चौराहा होते हुए वापस पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची, जहां रैली का समापन हुआ। थाना स्तर पर भी हुए आयोजन-पुलिस द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत थाना स्तर पर भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें गणमान्य नागरिकों, स्कूली बच्चों और जनप्रतिनिधियों को शामिल कर तिरंगा रैलियां निकाली गईं तथा लोगों से अभियान में सक्रिय सहभागिता करने की अपील की गई। रैली के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति, रक्षित निरीक्षक अनिल कवरेती, यातायात प्रभारी रणवीर सिंह यादव, कोतवाली थाना प्रभारी रोहित दुबे, रक्षित निरीक्षक गायत्री इटोरिया, ऑटो यूनियन अध्यक्ष बनवारी लाल धाकरे, करण धानुक सहित पुलिस अधिकारी-कर्मचारी एवं ऑटो यूनियन के सदस्य मौजूद रहे।

# डिलारी में धूमधाम से निकाली गई तिरंगा यात्रा, देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया क्षेत्र

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को डिलारी क्षेत्र में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य लोगों, युवाओं और स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। हाथों में तिरंगा लेकर निकले लोगों ने देशभक्ति के नारों के साथ पूरे क्षेत्र को राष्ट्रभक्ति के माहौल से सराबोर कर दिया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ आदर्श इंटर कॉलेज, डिलारी से हुआ। यहां से यात्रा विभिन्न मार्गों से होते हुए डिलारा चौराहे पर पहुंची। इसके बाद यात्रा आगे बढ़ते हुए डिलारी शहीद चौक पहुंची। पूरे यात्रा मार्ग पर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। तिरंगा हाथों में लेकर चल रहे लोगों ने देश के वीर सपूतों और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया।

शहीद चौक पर पहुंचने के बाद तिरंगा यात्रा का समापन ब्लॉक डिलारी स्थित शहीद स्मारक पर किया गया। यहां उपस्थित लोगों ने वीर शहीदों को नमन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता को बनाए रखने का संकल्प लिया। इस दौरान वातावरण देशभक्ति के नारों से गूंज उठा।

तिरंगा यात्रा के दौरान डिलारी पुलिस बल पूरी मुस्तैदी के साथ मौजूद रहा। पुलिसकर्मियों ने यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था संभालने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था को भी व्यवस्थित बनाए रखा, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख डिलारी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। सभी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देश की आन-बान-शान तिरंगे को सम्मान देते हुए राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश दिया।

तिरंगा यात्रा के दौरान उमड़ा जनसैलाब यह दर्शाता रहा कि हर घर तिरंगा अभियान अब केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से जुड़ा जनआंदोलन बन चुका है। डिलारी क्षेत्र में निकाली गई इस भव्य यात्रा ने लोगों में देश के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को और मजबूत किया।

# सीसीटीवी कैमरों पर गोबर पोता, लाखों के जेवर और नकदी चोरी, हत्या की रंजिश में वारदात की आशंका

गांव नन्हेड़ा आसा में चोरों ने बीती रात राखी के मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। कई लाख के सोने-चांदी के जेवर और डेढ़ लाख रुपये से अधिक की नकदी के साथ ही सरसों व अनाज से भरे कट्टे भी उठा ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।देवबंद स्थित गांव नन्हेड़ा आसा में चोरों ने बंद मकान को निशाने बनाते हुए आभूषण और डेढ़ लाख रुपये से अधिक की नकदी चोरी कर ली। चोरों ने घटना से पूर्व वहां लगे सीसीटीवी कैमरों पर गोबर लगा दिया और डीवीआर भी निकाल कर ले गए। खानकाह पुलिस चौकी क्षेत्र के नन्हेड़ा आसा गांव निवासी राखी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह थानाभवन स्थित खानपुर मायके गई हुई थी। मंगलवार रात चोर पीछे के रास्ते सीढ़ी लगाकर घर में घुसे। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों पर गोबर लगा दिया, जिसके बाद कमरे में रखी अलमारी के ताले तोड़कर वहां रखे करीब 14 तौला सोने के जेवर, चांदी के आभूषण, दो एलसीडी, एक लाख 60 हजार रुपये की नकदी समेत अन्य सामान चोरी कर लिया। राखी के मुताबिक पड़ोसी के फोन करने पर उसे घटना के बारे में पता चला। वह घर पहुंची तो सामान बिखरा पड़ा था। राखी ने बताया कि चोर घर में रखे अनाज और सरसों के कट्टे भी उठाकर ले गए। जाते समय कई कैमरे और डीवीआर भी निकालकर ले गए। जांच अधिकारी संदीप चौधरी का कहना है कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आशंका जताई कि यह घटना रंजिश से भी जुड़ी हो सकती है।12 जून को हुई थी हत्या, पीड़ित परिवार पर लगा था आरोप- नन्हेड़ा आसा गांव में 12 जून को जयपाल सिंह (70) की गोली लगने से मौत हो गई थी। मृतक के बेटे ठाठ सिंह ने पांच लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी, जिसमें पुलिस ने एक महिला समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा है कि जिस मकान में चोरी हुई उनके और मृतक के परिवार के बीच इसी मामले को लेकर मुकदमेबाजी चल रही है। पुलिस घटना में इस रंजिश के बिंदु पर भी जांच कर रही है।

# पुलिस के एनकाउंटर के डर से युवक ने दी जान, रायबरेली में परिजनों का जमकर हंगामा; कई थानों की फोर्स पहुंची

रायबरेली में एक युवक की मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर एनकाउंटर की धमकी देने और दबाव बनाने का आरोप लगाया। घटना से नाराज परिजनों ने जमकर हंगामा किया। कई थानों की पुलिस और अधिकारी मौके पर पहुंचे। परिवार ने एक दरोगा और सिपाही के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।पुलिस के एनकाउंटर की धमकी से आहत बीकरगढ़ गांव निवासी राजू (28) ने मंगलवार रात फंदे से लटककर जान दे दी। बुधवार सुबह घटना की जानकारी से परिजन आक्रोशित हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची तो परिजनों के साथ नोकझोंक व कहासुनी हुई। परिजनों ने हंगामा किया और दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि गैर इरादतन हत्या के मामले में पुलिस मृतक युवक के बहनोई को सरेंडर कराने का दबाव बना रही थी। कई थानों की पुलिस के अलावा एएसपी मौके पर पहुंचकर परिजनों से बातचीत की। एएसपी ने मामले में उचित कार्रवाई कराने का भरोसा देकर परिजनों को शांत कराया। पीड़ित परिवार ने एक दरोगा व सिपाही के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है।बीकरगढ़ गांव निवासी राजू पुत्र माताबदल राजू एनटीपीसी परियोजना में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। मंगलवार रात खाना खाने के बाद राजू अपने कमरे में सो गए थे। सुबह देर तक राजू कमरे से बाहर नहीं आए तो परिजनों की चिंता हुई। परिजनों ने खिड़की से झांका तो देखा कि पंखे के हुक से साड़ी के सहारे राजू का शव लटक रहा था। यह देख परिजनों में रोना पिटना मच गया।पुलिस के साथ एएसपी आलोक सिंह मौके पर पहुंचे दरवाजा तोड़कर परिजन कमरे के अंदर गए और शव को नीचे उतारा। इधर, घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो परिजन व ग्रामीण आक्रोशित हो गए। पुलिस को शव कब्जे में लेने से इन्कार कर दिया। पुलिस ने समझाने का प्रयास किया तो उनसे नोकझोंक की। परिजन व ग्रामीण हंगामा करने लगे। विवाद बढ़ने पर ऊंचाहार के अलावा जगतपुर, ऊंचाहार, गदागंज, डलमऊ व महराजगंज कोतवाली पुलिस के साथ एएसपी आलोक सिंह मौके पर पहुंचे। इस दौरान पिता ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी मिथलेश कुमारी की शादी नेरुवापुर गांव में हुई है। बेटी की ननद के ससुर रामदीन की मौत के मामले में बीती जुलाई माह उनके दामाद समेत अन्य लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की एफआईआर दर्ज की गई थी।मामले में उनके दामाद का कोर्ट में सरेंडर कराने के लिए पुलिस उनके बेटे राजू पर दबाव बना रही थी। ऐसा नहीं होने पर पुलिस ने एनकाउंटर की धमकी दी थी। इसी वजह से उनके बेटे ने खुदकुशी कर ली है। घटना के लिए ऊंचाहार कोतवाली में तैनात एक दरोगा व सिपाही जिम्मेदार है। मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाए। पिता ने यह भी आरोप लगाया कि पुलिस 10 दिन पहले उनको बेटे को उठाकर ले गई और पिटाई की। बाद में 10 हजार रुपये लेकर बेटे को छोड़ा था। एएसपी ने मामले की जांच कराने व जांच में दोषी पाये जाने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया है। वहीं इस संबंध में सीओ गिरिजाशंकर त्रिपाठी ने बताया कि उसके रिश्तेदार फरार चल रहे हैं। राजू ने उनको हाजिर कराने की बात कही थी। इसलिए पुलिस ने उन्हें पूछताछ की थी। मारपीट या धमकाने का आरोप गलत है। मई में हुई थी राजू की शादी- श्याम कुमार, सोनू, मोनू ,सुरेश, पुत्ती व दो बहनों ऊषा व मिथलेश में मृतक राजू सबसे छोटा था। मई माह में ही उनकी शादी हुई थी। घटना के समय उनकी पत्नी अंजली अपने मायके में थीं। सुबह घटना की जानकारी हुई तो बिलखती हुई ससुराल आई। बोली अभी हाथ की मेंहदी भी नहीं छूंटी और मांग का सिंदूर उजड़ गया। उनकी मां विपाता बेहोश हो गई। होश में आईं तो पुलिस वालों को कोसने लगीं, कहा मेरा बेटा बेकसूर था, फिर भी पुलिस ने एक बात नहीं मानी और बेटे को जान देने पर मजबूर कर दिया। वहीं पिता माताबदल भी बेटे के असमय जाने से गमजदा हैं। उनकी आंखों से आंसू नहीं थम रहे हैं। सपा जिलाध्यक्ष ने मदद का दिया आश्वासन-घटना की जानकारी मिलने पर सपा जिलाध्यक्ष इं वीरेंद्र यादव और सपा नेता मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से घटना के बारे में जानकारी ली। साथ ही परिजनों को हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया।

## संक्षिप्त समाचार

# शिव कुमार हत्याकांडः हाथ, सिर और पेट में तलवार से लगातार वार करता रहा नाबालिग, वीडियो में नृशंसता की हदें पार

यूपी के गोरखपुर जिले से दिल दहलाने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में एक किशोर बिजली ठेकेदार पर तलवार से लगातार वार करता दिख रहा है। बिजली ठेकेदार आरोपी के हाथ जोड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, लेकिन आरोपी सड़क पर गिरने के बाद भी हमला करता रहता है।गोरखपुर के सिकरीगंज के अहिरौली खुर्द में हुए शिवकुमार हत्याकांड का एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद घटना की भयावहता सामने आई है। वीडियो में एक किशोर तलवार से शिवकुमार पर लगातार हमला करता दिखाई दे रहा है। खुद को बचाने के लिए खून से लतपथ शिव कुमार उससे रहम की गुहार लगाते रहे लेकिन आरोपी वार करता रहा। सरेराह हुई वारदात का वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीण क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वहीं लोग पुलिस की कार्यशैली पर तरह तरह के सवाल उठा रहे हैं। हालांकि अमर उजाला वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वीडियो में दिखाई दे रहा है कि शिवकुमार जान बचाने के लिए ई-रिक्शे से उतरकर भागने की कोशिश कर रहे हैं। इसी दौरान आरोपी किशोर तलवार लेकर उनके पास पहुंचता है और उनके हाथ, सिर और पेट में तलवार से वार करता है। शिवकुमार बचने के लिए आगे बढ़ते हैं तो आरोपी उनका पीछा शुरू कर देता है। उन्हें दौड़ाकर भी वार करता है। इस दौरान मौके पर मौजूद एक व्यक्ति किशोर से शिवकुमार को छोड़ने और हमला नहीं करने की गुहार लगाता सुनाई देता है लेकिन वह उनकी बात अनसुनी कर देता है।दो लोग आरोपी किशोर को हत्या से रोकने की कर रहे थे कोशिश कुछ देर बाद शिवकुमार सड़क किनारे गिर जाते हैं। इसके बाद आरोपी उनपर लगातार कई वार करता दिखाई देता है। घटना स्थल पर तीन अन्य लोग भी मौजूद थे। इनमें एक व्यक्ति मोबाइल से घटना रिकॉर्ड कर रहा था, जबकि दो लोग आरोपी किशोर को हत्या से रोकने की कोशिश कर रहे थे। हमले के बीच आरोपी किशोर ने वीडियो बना रहे शख्स पर भी तलवार तान दी हालांकि वह किसी तरह से वहां से बच निकला।हत्याकांड के दो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं। इनमें से एक वीडियो को 1300 से अधिक लोग देख चुके हैं। 85 से अधिक लोगों ने इसे लाइक किया है, जबकि 27 लोगों ने सरेराह हुए इस हत्याकांड का विरोध करते हुए पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठते हुए कमेंट किए हैं।सपा प्रतिनिधिमंडल ने शिव कुमार के परिजन से की मुलाकात- सिकरीगंज क्षेत्र के अहिरौली खुर्द गांव निवासी ठेकेदार शिव कुमार त्रिपाठी के घर मंगलवार को समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। सपा जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम और चिल्लूपार के पूर्व विधायक विनय शंकर तिवारी ने परिजन से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। सपा नेताओं ने घटना को अत्यंत दुखद और हृदयविदारक बताते हुए कहा कि इस अमानवीय वारदात से पूरा क्षेत्र स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे कठिन समय में शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा रहना नैतिक और मानवीय दायित्व है। प्रतिनिधिमंडल ने जिला प्रशासन से हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई, पीड़ित परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा, परिवार के एक योग्य सदस्य को सरकारी नौकरी और समुचित सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की। नेताओं ने कहा कि इससे परिवार को न्याय के साथ भविष्य के लिए भी संबल मिल सकेगा। साइबर सेल वीडियो डिलीट करने में जुटी शिवकुमार त्रिपाठी हत्याकांड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की साइबर सेल भी सक्रिय हो गई है। टीम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित हो रहे वीडियो की निगरानी करने के साथ उन्हें हटवाने की कवायद में जुटी है।पुलिस की कोशिश है कि घटना से जुड़े वीडियो का प्रसार रोका जा सके, ताकि लोगों में भय और आक्रोश का माहौल न बने। वीडियो के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर प्रसारित होने की जानकारी भी जुटाई जा रही है। साइबर सेल की टीम वायरल सामग्री के स्रोत और प्रसार से जुड़े पहलुओं पर भी नजर रख रही है।सपा नेताओं ने भी वीडियो को शेयर करना शुरू किया शिवकुमार त्रिपाठी हत्याकांड का वीडियो सामने आने के बाद सपा नेताओं ने भी इसे सोशल मीडिया पर शेयर करना शुरू कर दिया है। नेताओं ने वीडियो के जरिये घटना की भयावहता सामने आने का दावा करते हुए कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।उनका कहना है कि सरेराह हुई इस निर्मम वारदात ने लोगों को झकझोर दिया है। सपा नेताओं ने घटना को लेकर प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग भी उठाई है। वीडियो शेयर किए जाने के बाद इस मामले पर सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।तलवार कहां से खरीदी, होगी जांच- बिजली विभाग के ठेकेदार शिवकुमार त्रिपाठी हत्याकांड के मुख्य आरोपी राहुल चौधरी को पुलिस ने मंगलवार सुबह न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। राहुल की गिरफ्तारी के साथ ही मामले में नामजद सात समेत सभी आठ आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। अब पुलिस की जांच वारदात में इस्तेमाल तलवार और उसके स्रोत पर केंद्रित हो गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि तलवार कहां से खरीदी गई, किसने उपलब्ध कराई और हत्या से पहले हथियार जुटाने की तैयारी कब से चल रही थी। ब्रह्मभोज में शामिल होने के लिए बुलाया गया था। आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद पुरानी रंजिश को लेकर राहुल चौधरी, विनोद, उसकी पत्नी राजकुमारी, छेदी के बेटे विंध्यनिवास चौधरी समेत सात लोगों ने उन पर हमला कर दिया।

# सीडीओ ने दिए पात्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूं: मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला पुस्तकालय से संबंधित जिला स्तरीय समिति (डीएलसी) की बैठक आयोजित हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को पुस्तकालयों में उपलब्ध सुविधाओं एवं संसाधनों की जानकारी दी जाए तथा उन्हें बेहतर शैक्षिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि पुस्तकालयों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करते हुए छात्र-छात्राओं को अध्ययन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। इसी क्रम में मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम-2025 से संबंधित बैठक भी विकास भवन सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों, सचिवों एवं ग्राम प्रधानों को निर्देश दिए कि कार्ययोजना के आधार पर कार्यों को सही ढंग से एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को अपने-अपने ब्लॉक एवं ग्राम पंचायतों में जाकर ग्रामीणों से संवाद स्थापित करने तथा योजनाओं के संबंध में आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर जॉब कार्डों का सत्यापन कराया जाए तथा पात्र लाभार्थियों का ही चयन कर जॉब कार्ड बनाए जाएं। जॉब कार्ड के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी। मुख्य विकास अधिकारी ने समस्त खण्ड विकास अधिकारियों, सचिवों एवं ग्राम प्रधानों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्र में लगन, मेहनत एवं सकारात्मक सोच के साथ कार्य करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना सुनिश्चित करें। कार्यों में लापरवाही अथवा उदासीनता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

# 12 सितम्बर को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / सिविल जज (सी0डि0)/प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ ने जानकारी देते हुए अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के माध्यम से प्राप्त निर्देशों के क्रम में माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप 12 सितम्बर 2026 को समय प्रातः 10:00 बजे से जनपद न्यायालय परिसर बदायूं में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ की अध्यक्षता में किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूं श्री विवेक संगल के मार्गदर्शन में एवं प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूं श्रीमती सुमन तिवारी ने बताया कि 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में आकर लाभ पक्षों के मध्य आपसी सुलह समझौते के आधार पर विवाद का निस्तारण, पक्षकार व्यक्तिगत स्तर पर स्वयं पहल कर सकता है, लोक अदालत में निस्तारण हेतु किसी भी प्रकार का शुल्क देय नहीं है, लंबित मामलों के लोक अदालत में निस्तारण पर न्याय शुल्क की वापसी की व्यवस्था, लोक अदालत में निर्णय के विरूद्ध कोई अपील नहीं, कानूनी जटिलताओं से परे लोक अदालत की प्रक्रिया सहज और आपसी समझौते पर आधारित होती है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सिविल प्रकृति के वाद, अपराधिक शमनीय वाद, राजस्व वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखत अधिनियम, बैंक वसूली वादों, मोटर दुघर्टना प्रतिकर याचिकाऐं, पारिवारिक वादों, श्रम वादों, भूमि अधिग्रहण वादों, विद्युत, जल-कर एवं दूरसंचार बिल के विवाद, एन0आई0एक्ट आदि सहित ऐसे विवाद जो अभी तक न्यायालय के समक्ष नहीं आये हैं, उन्हें भी वाद पूर्व सुनवाई (प्री-लिटीगेशन) स्तर पर निस्तारित कराया जा सकता है। उन्होंने इस सन्दर्भ में जनपद के सभी जनसामान्य एवं वादकारीगण से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत में समय से उपस्थित होकर अपने-अपने वादों/विवादों को निस्तारित करवाकर राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से लाभान्वित हों एवं इस सूचना को आमजन-मानस के मध्य प्रचालित करायें।

## संक्षिप्त समाचार

### 22 वर्षीय युवती की लाश ने मचाई सनसनी, कुचले चेहरे से पहचान बनी चुनौती

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ इगलास थाना क्षेत्र की बहादुरपुर चौकी अंतर्गत बड़ा खुर्द गांव में एक अज्ञात युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव की हालत देखकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। युवती की उम्र करीब 22 वर्ष बताई जा रही है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। युवती का चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था, जिससे उसकी पहचान में परेशानी हो रही है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में पूछताछ कर युवती की शिनाख्त के प्रयास शुरू कर दिए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई की जा रही है। युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई और चेहरे को किस वजह से कुचला गया, इसका पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा। घटना के बाद ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और जल्द युवती की पहचान कर घटना का खुलासा करने का प्रयास कर रही है।

### एक डॉक्टर के कागज, कई अस्पतालों का खेल! सीएमओ ऑफिस पर लगे गंभीर आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ गभाना के मां दुर्गा हॉस्पिटल के संचालक विनोद पाल सिंह ने सीएमओ कार्यालय में निजी अस्पतालों के पंजीकरण को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका आरोप है कि उनसे 1.50 लाख रुपये लेकर एक डॉक्टर के दस्तावेजों के आधार पर अस्पताल का पंजीकरण कराया गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उनके अस्पताल में डॉ. उमेश कुमार बघेल के प्रमाणपत्र पूर्णकालिक चिकित्सक के रूप में लगाए गए हैं, जबकि डॉक्टर के अन्य अस्पताल भी संचालित होने का दावा किया गया है। इसे लेकर पंजीकरण प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। एडी हेल्थ डॉ. मोहन झा ने कहा कि नियमों के अनुसार कोई डॉक्टर एक अस्पताल में ही पूर्णकालिक सेवाएं दे सकता है। यदि एक ही डॉक्टर के पूर्णकालिक दस्तावेज कई अस्पतालों में लगे पाए जाते हैं तो यह नियम विरुद्ध है। मामले की जांच के लिए टीम गठित की जाएगी और आरोप सही पाए जाने पर कार्रवाई होगी। डीएम अविनाश कुमार ने भी कहा कि पंजीकरण में अनियमितता मिलने पर नियमानुसार जांच कर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

### मृतक आश्रित नौकरी के नाम पर 20 हजार की रिश्वत! हरदुआगंज CHC के फार्मासिस्ट का वीडियो वायरल

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ हरदुआगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) में तैनात फार्मासिस्ट पर मृतक आश्रित कोटे में नौकरी दिलाने के नाम पर 20 हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगा है। रिश्वत लेने का कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में मामला चर्चा में है। आरोप है कि हरदुआगंज ष्ट॥ष्ट में फार्मासिस्ट के पद पर तैनात भानु प्रताप ने मृतक आश्रित नौकरी से संबंधित काम कराने के नाम पर पीड़ित से 20 हजार रुपये लिए। पीड़ित प्रदीप कुमार का कहना है कि उसकी मां सुशीला देवी हरदुआगंज ष्ट॥ष्ट में वार्ड आया के पद पर तैनात थीं। उनकी मृत्यु के बाद प्रदीप ने मृतक आश्रित कोटे में नौकरी के लिए आवेदन किया था। प्रदीप कुमार ने आरोप लगाया कि नौकरी और अन्य कामों के नाम पर ष्ट॥ष्ट के स्टाफ द्वारा कई बार अलग-अलग रकम की मांग की गई। लगातार परेशान होने के बाद उसने कथित तौर पर 20 हजार रुपये दिए और इसी दौरान पूरी घटना का वीडियो बना लिया। पीड़ित के मुताबिक यह वीडियो कुछ महीने पुराना है। काफी समय तक वीडियो अपने पास रखने के बाद परेशान होकर उसने इसे मीडिया को उपलब्ध कराया। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और आरोपों की आधिकारिक जांच होना बाकी है। मामला सामने आने के बाद एडी हेल्थ डॉ. मोहन झा ने जांच कराने और आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच के बाद सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

### प्रभारी मंत्री लखन पटेल विदिशा दौरा कार्यक्रम हुआ

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल से आज विदिशा प्रवास के दौरान सर्किट हाउस पहुंचकर कलेक्टर अंशुल गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने सौजन्य मुलाकात की। कलेक्टर गुप्ता ने सौजन्य भेंट के दौरान जिले में क्रियान्वित कार्यों की सामान्य जानकारी से प्रभारी मंत्री जी को अवगत कराया। इस दौरान कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे, महाराज सिंह दांगी, राकेश जादौन, तोरण सिंह दांगी सहित अन्य जन प्रतिनिधि गण और अधिकारी गण मौजूद रहे।

# एसएसपी नें 51वीं अंतर्जनपदीय शूटिंग स्पोर्ट्स एवं एलार्म एफीसिएन्सी रेस प्रतियोगिता शुभारम्भ किया

क्यूँ न लिखूँ सच / एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स, बदायूँ के परेड ग्राउण्ड में आयोजित 51वीं अंतर्जनपदीय शूटिंग स्पोर्ट्स (रायफल/रिवाल्वर/पिस्टल शूटिंग) एवं एलार्म एफीसिएन्सी रेस विविध प्रतियोगिता में एवं बिजनौर को की पुलिस टीमों प्रतियोगिता का रेस से हुआ, पुलिसकर्मियों संतुलन एवं प्रदर्शन करते हुए किया गया। जनपद बदायूँ की 16 सेकण्ड में प्रतियोगिता-2026 का शुभारम्भ किया गया। उक्त बरेली जोन के जनपद अमरोहा छोड़कर अन्य सभी जनपदों द्वारा प्रतिभाग किया गया। शुभारम्भ एलार्म एफीसिएन्सी जिसमें प्रतिभागी द्वारा शारीरिक दक्षता, साहस, त्वरित निर्णय क्षमता का निर्धारित बाधाओं को पार एलार्म एफीसिएन्सी रेस में असॉल्ट टीम ने 10 मिनट सभी बाधाओं को सफलतापूर्वक पार कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि जनपद बरेली की टीम ने 15 मिनट 10 सेकण्ड में रेस पूर्ण कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान अन्य प्रतिभागी टीमें निर्धारित बाधाओं को सफलतापूर्वक पूर्ण न कर पाने के कारण डिसक्वालीफाई (ष्ठक्त) हुईं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बदायूँ द्वारा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली सभी टीमों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा गया कि ऐसी प्रतियोगिताएं पुलिसकर्मियों में शारीरिक दक्षता, मानसिक दृढ़ता, अनुशासन, टीम भावना एवं कार्य के प्रति तत्परता को और अधिक सुदृढ़ करती हैं। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ0 ह्रदेश कठेरिया, अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री अभिषेक कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी लाइन/नगर श्री राहुल पाण्डेय, क्षेत्राधिकारी सहसवान श्री अशोक कुमार, क्षेत्राधिकारी दातागंज श्री आशेषनाथ सिंह, प्रतिसार निरीक्षक श्री इन्द्रजीत सिंह, प्रभारी निरीक्षक महिला थाना श्रीमती ज्योति सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# नशा मुक्ति के साथ भारत को पुनः आध्यात्मिक मूल्यों से समृद्ध बनाना ही संस्था का लक्ष्य: ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, चर्च वाली गली वरेठ रोड स्थित सेवा केंद्र द्वारा 10 करोड़ नशामुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के अंतर्गत संवाद कार्यक्रम का आयोजन पत्रकार भवन, गंजबासौदा में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अभियान के पोस्टर अनावरण के साथ हुआ। यह राष्ट्रव्यापी अभियान संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका परम श्रद्धेय दादी प्रकाशमणि जी की पुण्य स्मृति में 6 अगस्त से 20 अगस्त तक चलाया जा रहा है।कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बीके रुक्मणी दीदी ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजागरण के माध्यम से समाज को नशामुक्त बनाना है। साथ ही प्रत्येक नागरिक को इस सामाजिक परिवर्तन में सहभागी बनाना है। नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया जा रहा यह महाअभियान देश में सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में बाधा बनता है। मानव जीवन अमूल्य है, इसे नशे में नष्ट करने के बजाय समाज और राष्ट्रहित में लगाना चाहिए। व्यापार महासंघ के अध्यक्ष विपिन तिवारी ने कहा कि 10 करोड़ लोगों से नशामुक्ति का संकल्प लेना केवल अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का महायज्ञ है। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं जागरूकता का संकल्प लें तो वे परिवार और समाज से नशे की बुराई को जड़ से समाप्त कर सकती हैं। सांसद प्रतिनिधि देवेंद्र यादव ने कहा कि यदि हम एक भी व्यक्ति को नशे की गिरफ्त से बाहर निकाल पाते हैं तो यह सबसे बड़ा पुण्य कार्य होगा। ब्रह्माकुमारीज़ का यह अभियान नैतिक मूल्यों, आत्मसंयम और आध्यात्मिक चेतना का विकास कर स्वस्थ, सशक्त और नशामुक्त भारत के निर्माण में मील का पत्थर सिद्ध होगा। एसडीओपी शिखा भालवी ने कहा कि नशामुक्ति केवल कानून और प्रतिबंधों से संभव नहीं है। जब तक समाज में नशे की मांग कम नहीं होगी, तब तक आपूर्ति पर नियंत्रण मुश्किल है। इसलिए इसे सामाजिक चुनौती के रूप में देखकर सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। तहसीलदार अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ जैसी संस्थाएं नैतिक मूल्यों, आत्मसंयम और सकारात्मक सोच के माध्यम से नशे के प्रति आकर्षण को स्वाभाविक रूप से कम करती हैं। थाना प्रभारी संजीव बेड़िया ने सभी के सामूहिक प्रयासों से भारत को नशामुक्त बनाने पर बल दिया। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि वास्तविक नशामुक्ति का आधार आत्मजागृति और ईश्वर से जुड़ाव है। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को राजयोग ध्यान का अभ्यास भी कराया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ का लक्ष्य केवल नशामुक्त भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव को काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे पांच विकारों से मुक्त कर श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण करना है। भारत को पुनः आध्यात्मिक मूल्यों से समृद्ध बनाना ही संस्था का संकल्प है। कार्यक्रम में नवाअंकुर स्कूल, सैण्ड जोसेफ स्कूल, एसजीएस कॉलेज, गवर्नमेंट गर्ल्स स्कूल, लिटिल फ्लावर स्कूल, सेंट एस आर एस स्कूल, रत्न बाई स्कूल सहित शहर के गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर इसे सफल बनाया

# कलेक्टर के नेतृत्व में निकली विशाल तिरंगा रैली, देशभक्ति के नारों से गूंजा शहर

**हर घर तिरंगा अभियान के तहत नागरिकों से घर-घर तिरंगा फहराने की अपील**

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत बुधवार को शिवपुरी शहर में जिला प्रशासन द्वारा विशाल तिरंगा रैली निकाली गई। कलेक्टर अर्पित वर्मा के नेतृत्व में निकली इस पैदल रैली में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस जवानों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।रैली का शुभारंभ शहर के ऐतिहासिक पोलो ग्राउंड से हुआ। हाथों में तिरंगा लेकर निकले प्रतिभागी अस्पताल चौराहा, माधव चौक चौराहा, गुरुद्वारा चौक सहित शहर के प्रमुख मार्गों और बाजारों से होकर गुजरे। इस दौरान देशभक्ति के नारों से शहर का माहौल राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत हो गया। रैली के माध्यम से नागरिकों को राष्ट्रध्वज के सम्मान, देश की एकता और अखंडता के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही लोगों से 9 से 17 अगस्त तक चल रहे 'हर घर तिरंगा' अभियान में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की गई। प्रशासन ने नागरिकों से अपने घरों, दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पूरे सम्मान के साथ तिरंगा फहराने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नेहा अमित यादव, नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा, जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। रैली ने दिया एकता और राष्ट्रप्रेम का संदेश- तिरंगा यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और नागरिकों की सहभागिता ने शहर में सामाजिक एकता और राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत किया। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की कि स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय उत्सव को जनभागीदारी के साथ मनाते हुए हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएं।

# Pesticides meant to protect crops are harming human health, raising the risk of serious brain and nerve diseases.

Many countries around the world have already banned certain pesticides because they have been linked to the risk of brain, nervous system, and other serious diseases. Scientists have alerted everyone to the risks. For good health, health experts advise everyone to regularly consume seasonal fruits and vegetables and nutritious foods. Fruits and vegetables provide essential vitamins and antioxidants, which can help prevent many chronic diseases. But the question is: are the vegetables and fruits that appear on our plates daily completely safe? Are they actually beneficial or harmful to health? These questions are being raised because numerous studies have consistently raised concerns that pesticides used to protect crops from insects may actually pose health risks. In a recent report, experts have expressed concern that pesticides are damaging the brain and nerves of humans. This increases the risk of amyotrophic lateral sclerosis (ALS), one of the most dangerous neurological diseases. Amyotrophic lateral sclerosis is a serious nervous system disease. It destroys the motor neurons in the brain and spinal cord that control the body's muscles. This disease progresses over time, making it difficult to walk, speak, eat, and breathe. So, are the fruits and vegetables you consider healthy and are actually posing a threat to our health? Pesticide use poses a threat to health. The most important finding of this recent study is that it found that people who are exposed to pesticides for long periods of time during their work may have a significantly higher risk of ALS than the general population. Farmers, field workers, and those involved in agriculture have been advised to exercise extreme caution regarding the risks. The team of experts stated that exposure to pesticides sprayed on fruits, vegetables, and other crops can increase the risk of motor neuron disease, Amyotrophic Lateral Sclerosis, by up to 70 percent. Its effects can be so severe that a patient's muscles begin to weaken. Over time, difficulty walking and speaking becomes apparent, and sometimes changes in thinking and behavior are also observed. Patients gradually lose control of their daily routines. Amyotrophic Lateral Sclerosis can be extremely dangerous. Health experts have expressed concern that only about 20 percent of patients with Amyotrophic Lateral Sclerosis survive for five years or more. Many patients may only live for two years after the disease. Scientists have yet to determine the exact cause of this disease. However, scientists at the Robert Sauvé Institute for Research in Quebec, Canada, have now provided significant insights in this direction. Researchers reviewed nearly 800 studies and analyzed data from more than 2,000 people with ALS or other forms of motor neuron disease. The analysis found that those exposed to pesticides at their workplace had a nearly 60 percent higher risk of developing ALS than the general population. It's worth noting that this isn't the first time scientists have raised concerns about the dangers of pesticides. Previously, the pesticide chlorpyrifos was banned in Britain in 2016 after studies found evidence that it could harm brain development in unborn babies and young children. Similarly, the herbicide paraquat was banned in several countries due to concerns that it could increase the incidence of Parkinson's disease. What do experts say? Dr. Jonathan Cooper-Nock, clinical lecturer at the School of Medicine and Population Health at the University of Sheffield, England, says, "The key to this study is that it includes data from 11 different studies and over 2,000 motor neuron disease patients. Therefore, its findings are significant." However, he also noted that this study is based on old data, in which pesticide exposure was not directly measured. Therefore, it cannot be definitively stated whether pesticides are the sole cause of the disease or whether some other factor may be involved. However, it is still a matter of concern that pesticide use is increasing worldwide, and we are becoming more vulnerable, knowingly or unknowingly, to the risks posed by them.

# When is numbness in the hands and feet normal and when is it a warning sign? If you're worried, be sure to know these things.

The condition of feeling numb or tingling in the hands and feet is called paresthesia. It occurs when the nerves that carry sensation to the skin or limbs are under pressure, injured, or malfunction due to some disease. Do you also experience numbness or tingling in your hands and feet upon waking in the morning? People often ignore this problem, considering it normal. While it's not always a cause for concern, if it recurs frequently or persists for a long time, it requires serious attention. Sometimes, this seemingly minor problem can be a sign of a major problem. The medical term for numbness or tingling in the hands and feet is paresthesia. This problem can occur when the nerves that carry sensation to the skin or limbs are under pressure. Sometimes, this problem can also be caused by incorrect posture or sitting with your legs crossed for long periods of time. In such situations, once the pressure is relieved, blood flow and nerve function return to normal, and the problem resolves on its own. However, if your hands and feet become numb repeatedly without any apparent reason, if tingling persists, or if you suddenly feel numbness in only one part of the body, get it checked immediately. Let's explore when this problem could be a warning sign. Why do hands and feet become numb? Numbness in the hands and feet is usually caused by a problem in the body's peripheral nervous system, spinal cord, or brain-related nervous system. When nerves are pressured or their blood supply is temporarily reduced, messages are not properly transmitted to the brain, and the hands or feet begin to feel numb. In most cases, this resolves within a few minutes, but if the problem persists for a long time, it could be a sign of nerve damage. According to the American Academy of Neurology, if numbness occurs frequently or continues to worsen, it's important to get it checked. Sometimes, it can be the result of a serious illness. When is this problem considered normal? Numbness in the hands and feet isn't always a sign of a disease. It can often be caused by pressure on nerves. Sitting in one position for long periods, sitting with your legs crossed, or sleeping with your hands under your head can cause this problem. These conditions put pressure on nerves and blood vessels, leading to temporary loss of sensation. However, as soon as you change your position and the pressure is relieved, blood circulation returns to normal, and the tingling and numbness disappear within a few minutes. This is considered a normal response and usually doesn't require any treatment. When can it be a warning sign? Numbness in the hands and feet is considered serious when it begins suddenly, persists for a long time, or is accompanied by other neurological symptoms. If the arms and legs on only one side of the body suddenly become numb, accompanied by difficulty speaking, vision loss, or loss of balance, this could be a sign of a stroke. In such a situation, it is essential to seek immediate emergency medical attention, as every minute counts in a stroke. Similarly, numbness is accompanied by muscle weakness, difficulty walking, and severe neck and back pain, it could be a sign of a serious cord, nerve, or brain problem. If a person has diabetes and their hands and feet remain numb, it could be a symptom of diabetic neuropathy. Vitamin B12deficiency, thyroid, or certain autoimmune diseases can also cause this problem. Multiple sclerosis is also associated with this condition: Multiple sclerosis is an autoimmune neurological disease in which the body's immune system attacks the protective lining of the brain and spinal nerves. Early symptoms of this disease include numbness and tingling in the hands and feet, blurred vision, impaired balance, and muscle weakness. Sometimes the symptoms last for a few days and then subside, due to which the patient ignores them.

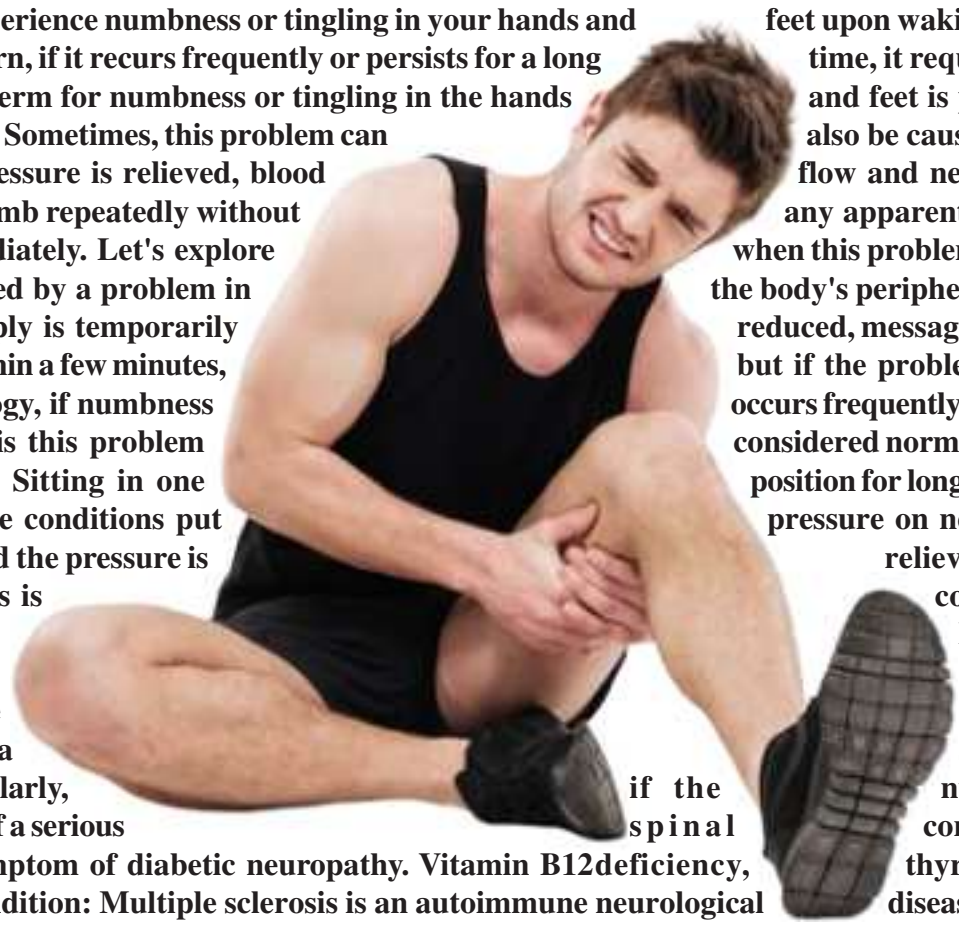

# How to Increase Mental Energy with Pranayama? Do These Simple Breathing Exercises Daily

Controlling and focusing on your breath during pranayama can help calm the mind and improve concentration. Simple exercises like anulom-vilom, bhramari, and slow diaphragmatic breathing can be incorporated into a regular wellness routine. Practice should always be done comfortably and to your capacity. In today's fast-paced life, constant work, screen time, lack of sleep, and daily responsibilities can often leave the mind feeling tired. Many people resort to different methods to keep themselves refreshed and mentally active. Yoga and pranayama are considered simple practices in this regard. Pranayama, based on controlled breathing techniques, is considered a balancing practice between mind and body in the yogic tradition. Appropriate pranayama practiced regularly can help one feel calm, meditate, and manage stress. Especially when done correctly and within your capacity in a comfortable environment, it can be a useful wellness routine to start the day. However, pranayama should not be considered a cure for any illness or a substitute for mental health issues. Every individual's physical condition is different, so it's best to consult a specialist before starting new or difficult breathing exercises. If you experience mental fatigue throughout the day, you can incorporate some simple pranayama techniques into your routine. Start with Anulom-Vilom. Anulom-Vilom is considered a relatively easy breathing exercise for beginners. It involves inhaling through one nostril and exhaling through the other. It can be done comfortably in a quiet environment. Initially, focus on inhaling and exhaling at a normal pace rather than holding your breath. Regular practice can help you focus on your breathing and calm your mind for a period of time. Calm your mind with Bhramari Pranayama. In Bhramari, a slow, bee-like buzzing sound is created while exhaling. This practice is performed in a quiet environment. The focus is on the breath and sound. It can be done in the morning or at any quiet time of the day. Keep the body relaxed during the practice and avoid forcibly holding or pulling the breath. If you have ear, respiratory, or other health problems, it is best to consult a specialist before starting. Make diaphragmatic breathing a part of your routine: When feeling mentally tired, a few minutes of slow, deep breathing can be helpful. In diaphragmatic breathing, the abdominal region rises slightly during inhalation and falls during exhalation. The aim is to maintain a smooth and controlled breath, not excessive deep breathing. This type of breathing can be practiced by sitting quietly for a few minutes during a work break. Take special precautions while doing Kapalabhati: Kapalabhati is a popular breathing exercise in yoga, but it would not be appropriate for everyone. The exhalation process is relatively active. If you wish to practice it, it is best to learn the correct technique from a trained yoga expert. Beginners should not attempt to practice at a high pace or for long periods of time. It's especially important to seek medical advice before attempting such exercises if you are pregnant, have high blood pressure, heart conditions, or have other health problems. Develop a "mental energy" routine with pranayama: Instead of just practicing pranayama for a few minutes, focus on your daily habits. Adequate sleep, a balanced diet, regular physical activity, sufficient water, and periodic breaks from screen time all play an important role in maintaining mental energy. You can develop a short routine in the morning: sitting quietly for a few minutes, practicing natural breathing exercises, and then doing light stretching or walking. Most importantly, don't make pranayama a competition. It's not advisable to forcibly hold your breath, breathe too fast, or continue practicing despite feeling dizzy. Keep these things in mind when practicing pranayama: Start with easy exercises. Don't forcefully hold your breath. It may be easier to practice on an empty or light stomach. Stop immediately if you feel dizzy, nervous, or uncomfortable.

# "Everything happened so fast," Swara Bhaskar diagnosed with dengue; shared a selfie from the hospital.

**Swara Bhaskar has been hospitalized with dengue. She shared a selfie from the hospital. Actress Swara Bhaskar recently became the latest celebrity to be diagnosed with dengue. The actress shared updates about her health on social media. Swara shared a photo of herself from the hospital on her Instagram Stories and provided updates about her health. In the photo, the actress can be seen wearing a blue and white dress. She has a Vicko in her hand. She is making a victory sign with her hand. Sharing the photo, she wrote in the caption, "Everything happened so fast." I got dengue and had to be hospitalized!' Fans got the information - Although she did not provide any details about her symptoms or the duration of her hospital stay, her brief statement gave followers an idea of ??her condition. Avika Gor also fell ill - 'Balika Vadhu' actress Avika Gor was also hospitalized after contracting dengue. Swara and Avika's hospitalizations have emphasized the need to treat high fever and other symptoms with caution. However, neither actress has given any specific information about their current recovery status or the time of discharge from the hospital. Swara participated in the protest. Swara recently participated in the CJP-led protest at Jantar Mantar against alleged irregularities in the NEET exam. Swara Bhaskar's work front - On the work front, Swara Bhaskar was last seen in the TV show 'Pati Patni Aur Panga' with her husband Fahad Ahmed.**

# Why did Mohanlal have to apologize? The matter is related to a stage show; the actor made this promise.

**Dadasaheb Phalke Award-winning actor Mohanlal has had to apologize to his fans. This matter is related to Australia. Find out what the whole matter is. Malayalam superstar Mohanlal has apologized to the organizers and his fans for not being able to attend a stage show in Sydney, Australia on Saturday. The veteran actor was unable to travel to the event because he did not receive a visa. According to reports, the event was canceled after Mohanlal was unable to travel to Sydney. Mohanlal expressed disappointment: In a video message recorded in Singapore, Mohanlal expressed disappointment at not being able to attend the event. He also said that he does not want to blame anyone for the situation. What Mohanlal said: He began the video by saying, "I am speaking to you from Singapore. I don't know how to express my grief. I am in a very sad situation. I have been in the film industry for almost 50 years." I'm probably the actor in India who has performed in the most shows." He took responsibility for himself - He further said, "Everyone with me, including K.S. Chithra, is there. But I don't know, somehow this happened. For the first time in my life, I didn't get a visa. I don't know how this happened. It could be a technical or clerical error, or it could be an AI problem." Taking responsibility, he said, "I'm taking all the blame on myself. I'm telling you it's my mistake. I'm very sorry for this." Will perform in Sydney - Expressing his regret to the people, he said, "I sincerely apologize to each and every one of you who drove from far away to see this show." He promised that the group will perform a show when they return to Sydney. Mohanlal's work front - On the work front, Mohanlal was last seen in Jeethu Joseph's "Drishyam 3." He has several interesting projects lined up, including "Athimanoharam." The actor is also expected to appear in cameo roles in Rajinikanth's "Jailer 2," Prithviraj Sukumaran's "Khalifa: Part 1 - The Intro," and "Kathanaar - The Wild Sorcerer."**

# 'Lock Up 2' winner Shreya Kalra declines Bigg Boss 20, reveals key reason

**There were rumors that Shreya Kalra would be a part of 'Bigg Boss 20'. She herself explained why she can't participate. Shreya Kalra, who recently won the reality show 'Lock Up,' is not interested in participating in any reality show right now. She clarified on her Instagram that she doesn't want to be a contestant on any reality show right now. Previously, rumors were circulating that Shreya Kalra would appear on Bigg Boss 20. Will Shreya not be a part of any reality show? Shreya Kalra said, "Friends, for those who are asking me whether I will be on Bigg Boss, I just came out of a mental institution. I'm not planning on doing any reality show as a contestant right now because it was mentally exhausting and difficult." So, Bigg Boss isn't for me, but if I get the chance to host, mentor, or become a gang leader, I'd definitely be excited. If something like that happens, it'll be fun. But being a contestant? No, it's too difficult to bear." Shreya expressed her gratitude. Speaking at a press conference a few days ago after winning the trophy, Kalra dedicated her victory to those who stood by her throughout the competition. She thanked her boyfriend Rishabh Jaiswal and fellow contestants Shilpa Shinde and Madhuri Grover. She said that while the trophy belongs to her supporters, the prize money of Rs 1 crore will be used for practical purposes. What did Shreya say about the criticism? Responding to criticism from those questioning her win, Kalra remained firm. She said, "I know I deserve it. I gave everything I had to the show, mentally, physically, and emotionally. I deserve this trophy and the prize money." I don't care what anyone says. You can't be the hero in everyone's story. I know I'm the heroine in my own story. If someone calls me a villain, I'll accept it.**